केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 301 मंगलवार 26 मई 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

ग्राम प्रधानों पर मेहरबान हुई योगी सरकार

लखनऊ (आभा)। यूपी में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव होने तक ग्राम प्रधान को ही प्रशासक की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ग्राम प्रधानों को ही प्रशासक बनाने के प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी है । अब पंचायती राज विभाग जल्द आदेश जारी करेगा । सभी 57694 ग्राम पंचायतों के प्रधानों को प्रशासक के रूप में काम करने की इजाजत रहेगी। मंगलवार यानी 26 मई 2026 को ग्राम पंचायतों का पांच साल का कार्यकाल समाप्त हो रहा था । ऐसे में राज्य सरकार ने प्रशासक समिति के माध्यम से ग्राम प्रधानों को ही प्रशासक बनाने का निर्णय ले लिया है।

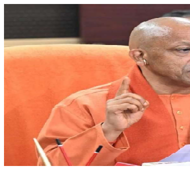

चूंकि ओबीसी आरक्षण को लेकर आयोग गठन में देरी के चलते पंचायत चुनाव समय से नहीं हो पा रहे थे लिहाजा अब सरकार ग्राम पंचायतों में प्रशासकों की नियुक्ति का निर्णय ले रही है। ग्राम प्रधान संघ ने भी सरकार से उन्हें ही इस पद पर नियुक्त करने की मांग की थी। इससे पहले तक ग्राम पंचायतों में एडीओ पंचायत को बतौर प्रशासक नियुक्त किया जाता था। बता दें कि उत्तर प्रदेश में ग्राम पंचायतों का पांच साल का कार्यकाल 26 मई को खत्म हो रहा है। इसकी सबसे बड़ी वजह पिछड़ा वर्ग आयोग का समय पर गठन न हो पाना बताया जा रहा है। हालांकि सरकार ने 19 मई को समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग के गठन की अधिसूचना जारी कर दी थी। इसके अलावा वोटर लिस्ट के नवीनीकरण का काम भी अभी चल ही रहा है। इस सब वजहों से चुनाव टलते देख अब सरकार प्रशासकों की नियुक्ति करने जा रही है। पंचायत चुनाव होने तक ग्राम प्रधानों को प्रशासक बनाए जाने के निर्णय से ग्राम प्रधानों को बड़ी राहत मिली है। ग्राम प्रधानों का कहना है कि अधिकारियों को प्रशासक पद पर नियुक्त किए जाने से ग्राम पंचायतों के काम प्रभावित होते हैं। ग्राम प्रधान ही प्रशासक होंगे तो फिर काम सुचारूपूर्वक चल सकेंगे। उम्मीद जताई जा रही है कि यूपी पंचायत चुनाव होने में अभी काफी वक्त लग जाएगा।

फिर बढे डीजल, पेट्रोल के दाम

नई दिल्ली (आभा)। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें एक नई और कड़वी हकीकत की तरफ बढ़ रही हैं, जहां लगभग पूरे देश में पेट्रोल 100 प्रति लीटर के पार जा चुका है। सरकारी तेल कंपनियों (जैसे इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन) द्वारा हाल ही में की गई बढ़ोतरी के बाद सोमवार को पेट्रोल के दामों में औसतन 2.61 प्रति लीटर और डीजल में 2.71 प्रति लीटर का इजाफा किया गया है। यह पिछले 11 दिनों के भीतर ईंधन की कीमतों में चौथी बढ़ोतरी है।

एनडीटीवीप्रॉफिट की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस ताजा बढ़ोतरी के बाद देश की राजधानी नई दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 102.12 प्रति लीटर और डीजल की कीमत 95.20 प्रति लीटर पर पहुंच गई है। 15 मई के बाद से अब तक देश भर में पेट्रोल के दाम करीब 7.5 से 8 प्रति लीटर तक बढ़ चुके हैं।`

एक नजर

शिवालयों में उमड़े श्रद्धालु, मंदिरों पर रहा मेले जैसा दृश्य

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पुरुषोत्तम माह के अवसर पर जिले के प्रमुख शिव मंदिरों में सोमवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही भक्तों ने मंदिरों में पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक, पूजन–अर्चन और भजन–कीर्तन किया। मंदिर परिसर हर–हर महादेव के जयघोष से गूंजते रहे। कई स्थानों पर मेले भी लगे, जहां श्रद्धालुओं ने खरीदारी के साथ धार्मिक आयोजनों का आनंद लिया। मंदिर परिसर में कई जगहों पर महामृत्युंजय का पाठ हो रहा था तो रामचरित मानस का भी अनुष्ठान चल रहा है। भदेश्वरनाथ मंदिर, कड़र मंदिर, देवरिया मंदिर, जागेश्वरनाथ मंदिर तथा बेहिलनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों ने विधि–विधान से पूजा–अर्चना कर परिवार की सुख–समृद्धि की कामना की। मंदिरों पर सुरक्षा के लिए स्थानीय पुलिस तैनात रही। व्यवस्था बनाए रखने के लिए मंदिर समिति के सदस्य व गोस्वामी परिवार के लोग सक्रिय रहे। कई स्थानों पर प्रसाद वितरण और भंडारे का आयोजन भी किया गया। भदेश्वरनाथ में मेला जैसा दृश्य रहा, जहां पर बच्चों ने खिलौने आदि की खरीदारी की। श्रद्धालुओं ने बताया कि पुरुषोत्तम माह में भगवान शिव और विष्णु की पूजा का विशेष महत्व माना जाता है। इसी आस्था के चलते दूर–दराज गांवों से भी बड़ी संख्या में लोग मंदिरों में दर्शन–पूजन के लिए पहुंचे।

सड़क हादसे मे युवक की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कोतवाली थाना क्षेत्र के जखनी–लबनापार मार्ग पर सोमवार दोपहर एक सड़क हादसे में बाइक सवार 33 वर्षीय युवक मुबारक की मौत हो गई। बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई थी, जिससे युवक के सिर में गंभीर चोट आई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई शुरू की। जानकारी के अनुसार, परासी गांव निवासी मुबारक किसी काम से घर से निकले थे। सोमवार दोपहर जब वह जखनी–लबनापार मार्ग पर पहुंचे, तो उनकी बाइक अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। इस दुर्घटना में मुबारक को सिर में गंभीर चोट लगी और वह घटनास्थल पर ही अचेत हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने घायल युवक को तत्काल उपचार के लिए कैली अस्पताल पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मुबारक को मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर से परिवार में शोक छा गया। कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक पूछताछ की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस इस सड़क हादसे के कारणों की भी जांच कर रही है। इस संबंध में इंस्पेक्टर कोतवाली मोती चंद ने बताया कि पुलिस टीम को सूचना मिलते ही मौके पर भेजा गया था। घायल युवक को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने पुष्टि की कि मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पेपर लीक के सवाल को लेकर भारतीय विद्यार्थी मोर्चा ने राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सोमवार को नीट पेपर लीक प्रकरण की निष्पक्ष जाँच, जवाबदेही सुनिश्चित करने तथा शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शी सुधार की मांग को लेकर भारतीय विद्यार्थी मोर्चा के जिलाध्यक्ष अमर जीत आर्य और भारतीय विद्यार्थी छात्रा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष सोनी के नेतृत्व में जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा।

ज्ञापन देने के बाद अमर जीत आर्य और सोनी ने कहा कि नीट सहित अनेक परीक्षाओं में कथित पेपर लीक प्रकरण पर तत्काल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी कार्रवाई की जाय। कहा कि यह मामला केवल एक परीक्षा की अनियमितता तक सीमित नहीं है, बल्कि देश की शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता, प्रतियोगी परीक्षाओं की निष्पक्षता तथा सामाजिक न्याय एवं समान अवसर के प्रश्न से जुड़ा हुआ है।

भारतीय विद्यार्थी छात्रा प्रकोष्ठ की प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष नीलू निगम, भारत मुक्ति मोर्चा महिला विंग जिला अध्यक्ष सरिता भारती ने कहा कि एनटीए की ओर से जितनी परीक्षाएं कराई जा रहीं हैं उन सभी परीक्षाओं में धांधली साफ

–छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बंद करे सरकार-अमर जीत आर्य

दिखाई नजर आ रही है। पहले नीट और अब नेट मामला सामने आना एनटीए को सवालों के घेरे में खड़ा करता है। कहा कि नीट और यूजीसी नेट जैसी महत्वपूर्ण परीक्षाओं में धांधली होना सिस्टम फेल होने को दर्शाता है। उन्होंने पारदर्शी परीक्षा करवाने के तत्काल एनटीए को भंग करने की मांग की। कहा कि छात्रों ने नीट और यूजीसी नेट की परीक्षा को लेकर तैयारियां की थी। लेकिन पेपर लीक होने के चलते उनकी मेहनत पर पानी फिर गया। मांग किया कि परीक्षाओं के नाम पर छात्रों के भविष्य के साथ धोखा बंद हो। कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि केन्द्रीय शिक्षा मंत्री खामोश है और छात्रों द्वारा आत्महत्या कर लेने की घटनाओं पर जिम्मेदार मौन है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन सौंपने के दौरान गोविन्द कुमार पूर्व जिलाध्यक्ष भारतीय विद्यार्थी मोर्चा,उत्कर्ष राज, खुशी, अंशिका राव, विनती,पुष्पा, रोशनी आदि शामिल रहे।

पारिवारिक विवाद में विषाक्त पदार्थ खाने से मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी, (बस्ती)। मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के लहरी गांव में पारिवारिक विवाद के चलते एक अधेड़ व्यक्ति द्वारा विषाक्त पदार्थ खा लेने का मामला सामने आया है। इलाज के दौरान उसकी मौत हो जाने से परिवार में मातम पसरा हुआ है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लहरी गांव निवासी दुर्विजय सिंह (50 वर्ष) पुत्र राम गोपाल सिंह ने सोमवार दोपहर करीब 12 बजे पारिवारिक विवाद से आहत होकर जहरीला पदार्थ खा लिया। कुछ देर बाद उनकी हालत बिगड़ने लगी तो उन्होंने परिजनों से बचाने की गुहार लगाई। आनन–फानन में परिवार के लोग एंबुलेंस की सहायता से उन्हें जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। अस्पताल में मौजूद चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

दिग्विजय सिंह अपने पीछे पत्नी और दो बेटियों का परिवार छोड़ गए हैं। बड़ी बेटी की शादी हो चुकी है, जबकि छोटी बेटी की शादी अभी बाकी है। घटना के बाद पत्नी समेत पूरे परिवार का रो–रोकर बुरा हाल है। गांव में भी शोक का माहौल बना हुआ है।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया तथा मामले की जांच शुरू कर दी है।

जमीनी विवाद, मंगलसूत्र छीनने के मामले में पीड़ित ने एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के बडकुईयां गांव में जमीनी विवाद में मार पीट और रामवृक्ष की पत्नी का मंगलसूत्र छीन लिये जाने के मामले में पुलिस ने अभी तक न तो मुकदमा दर्ज किया न कोई कार्रवाई किया। सोमवार को रामवृक्ष पुत्र रामबहोर ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर मामले में मुकदमा दर्ज कर दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग किया है।

पुलिस अधीक्षक को दिये पत्र में रामवृक्ष ने कहा है कि ग्राम प्रधान राम सुभाव, राम जी, बिन्द्रावती देवी पत्नी धर्मराज, मीरा देवी पत्नी लालजी, प्रेमा देवी पत्नी रामजी, रामजी पुत्र रामपियारे व अन्य के बीच जमीनी विवाद चल रहा है। तथा उसी के संबंध में सिविल जज जू०डि० वाद सं0 242 के यहां लम्बित भी है फिर भी विपक्षी राम सुभाव व अन्य उसी विवादित जमीन में नाली निर्माण कराना चाह रहे हैं । 21 मई को राम सुभाव व अन्य सहयोगियों ने विवादित जमीन पर धावा बोल दिया और उसकी पत्नी को मारा पीटा, गले में पहने हुये मंगलसूत्र को छीन ले गये । वाल्टरगंज पुलिस इस प्रकरण में गत 11 फरवरी को धारा 126,135 की कार्यवाही भी कर चुकी है फिर भी राम सुभाव व उनके सहयोगी आदि आमादा फौजदारी हैं। रामवृक्ष ने पत्नी के छीने गये मंगलसूत्र को दिलाने के साथ–साथ निर्माण कार्य रूकवाने और दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग किया है।

बिजली संकट को लेकर मुख्य अभियन्ता से मिली नगर पंचायत अध्यक्ष नीलम सिंह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बिजली समस्याओं को लेकर सोमवार को नगर पंचायत नगर की अध्यक्ष नीलम सिंह राना ने चीफ इंजीनियर विजय कुमार गुप्ता से मुलाकात किया । पूरे पाव लस्कर से मुख्य अभियंता कार्यालय पहुंची श्रीमती राना ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के दिशा निर्देशों के अनुसार नगर निकाय को कम से कम 20 घंटे बिजली मिलनी चाहिए। उन्होंने नगर पंचायत को स्वतंत्र फीडर से जोड़ने में हो रहे विलम्ब पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अघोषित विद्युत कटौती रोकने, लो वोल्टेज की समस्या से निजात दिलाने, ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि करने, रात्रिकालीन विद्युत समस्या, निचले स्तर पर कर्मियों की लापरवाही सहित उपभोक्ताओं की समस्या समाधान के विषय में मांगों को रखा। मुख्य अभियंता ने आनन फानन में अधीक्षण अभियंता खालिद सिद्दीकी और अधिशासी अभियंता अरुण कुमार सिंह को अपने कार्यालय में बुलाकर जवाब तलब किया। अधीनस्तों को नगर पंचायत अध्यक्ष की मांगों पर तत्काल अमल करने का निर्देश देते हुए मुख्य अभियंता विजय कुमार गुप्ता ने आश्वस्त किया कि जून माह में नगर पंचायत के राजघाट, नगर पेट्रोल पंप के पास और पाल नगर के ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि कर दी जाएगी। नगर को एक सप्ताह में स्वतंत्र फीडर से जोड़ दिया जाएगा। शासन के निर्देशों के अनुसार विद्युत आपूर्ति का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य पंचायत परिषद के प्रदेश अध्यक्ष राना

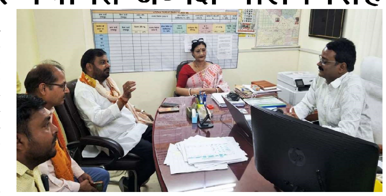

दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि सरकार को बदनाम करने की साजिश करने वालों को बेनकाब किया जाएगा। विद्युत विभाग में बैठे कुछ कर्मचारी, अधिकारी और ठेकेदार सरकार विरोधी मानसिकता से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जानबूझ कर समस्या पैदा करने वाले चिन्हित किए जाएंगे। कार्यक्रम में सभासद प्रतिनिधि विजय जायसवाल, राकेश पाण्डेय, दिलीप शर्मा,आकाश अग्रहरि, विजय गौड़, कोदई अग्रहरि सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

मदरसे में अवैध रूप से नियुक्त और निरस्त शिक्षको के वेतन भुगतान को रोकने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को मदरसा रिजविया, अहले सुन्नत मौजा रुस्तमपुर जनपद संतकबीरनगर के कार्यवाहक प्रबन्धक रईश अहमद ने उपनिदेशक अल्पसंख्यक कल्याण बस्ती मण्डल को पत्र देकर मदरसे में अवैध नियुक्त एवं निरस्त शिक्षको का अनियमित रूप से हो रहे वेतन भुगतान को रोकने की मांग करते हुये रिकवरी किये जाने की मांग किया है।

प्रबन्धक रईश अहमद ने उपनिदेशक अल्प संख्यक कल्याण बस्ती मण्डल को भेजे पत्र में कहा है कि उन्होने इस सम्बन्ध में योजित रिट याचिका संख्या–2892/2026 उच्च न्यायालय इलाहाबाद में दाखिल किया गया था। इसमें उच्च न्यायालय इलाहाबाद में पारित आदेश दिनांक 25.02. 2026 में रजिस्ट्रार/निरीक्षक उ०प्र० मदरसा शिक्षा परिषद उ०प्र० शासन लखनऊ के आदेश दिनांक 01.05.2013 को वैध माना गया है। उपरोक्त मदरसे में कुल 15 पद सृजित है। जिसके सापेक्ष मदरसे में कुल 29 नियुक्तियां

-कार्यवाहक प्रबंधक ने उपनिदेशक अल्पसंख्यक कल्याण बस्ती मण्डल को भेजा पत्र

कर ली गयी। तथा कथित प्रबन्धक द्वारा दिनांक 15.11.2010 व 16.02. 2012 की गयी अवैध नियुक्तियों को निरस्त कर दिया गया है। उ०प्र० शासन द्वारा निरस्त शिक्षको के सम्बन्ध में सम्बधित अधिकारियो से साक्ष्य प्राप्त होते ही। फर्जी नियुक्त तथा कथित शिक्षको/कर्मचारियो के विरूद्ध नियुमानुसार कार्यवाही करते हुए। रिकवरी की जायेगी।

उन्होने मांग किया है कि मदरसा रिजविया, अहले सुन्नत मौजा रूस्तमपुर पोस्ट–शनिचरा बाजार, जनपद संतकबीरनगर में निरस्त तथा कथित शिक्षको के हो रहे अनियमित रूप से वेतन भुगतान पर तत्काल रोक लगाये जाने हेतु सम्बधित आदेश जारी कराया जाय।

रंग लायी पहल, 2500 महिलाओं ने सामूहिक रूप से सोहर गाकर बनाया कीर्तिमान:उमड़ी आस्था

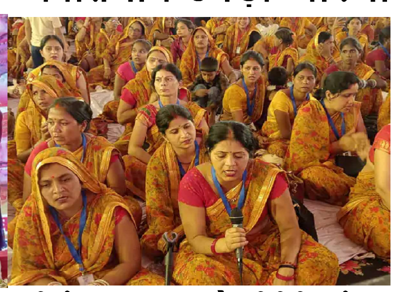

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती में सोमवार को एक ऐतिहासिक कार्यक्रम में 2500 महिलाओं ने सामूहिक सोहर गाकर रिकॉर्ड बनाया। यह उपलब्धि पंडित अटल बिहारी वाजपेयी प्रेक्षागृह परिसर में 'पहल संस्था' द्वारा आयोजित 'राम जी का सोहर' कार्यक्रम के दौरान हासिल हुई। लंदन से आए गिनीज बुक संस्था के प्रतिनिधि श्रीदास ने मंच से इस विश्व रिकॉर्ड की घोषणा की, जिसके बाद पूरा परिसर तालियों और 'जय श्रीराम' के नारों से गूंज उठा।

इस अवसर पर कार्यक्रम में मौजूद महिलाओं और श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखा गया। रिकॉर्ड की घोषणा के बाद श्पहल संस्थाश के संस्थापक मनीष मिश्रा ने खुशी व्यक्त की और महिलाओं का अभिवादन किया। संस्था के जीडी मिश्रा ने विश्व रिकॉर्ड का प्रमाण पत्र लेकर महिलाओं के बीच पहुंचकर उनका उत्साहवर्धन किया।

प्रेक्षागृह परिसर पूरी तरह भगवा रंग में रंगा हुआ था। महिलाओं ने पारंपरिक लोकधुनों पर भगवान राम के जन्म से संबंधित सोहर गीत प्रस्तुत किए, जो भारतीय सांस्कृतिक विरासत का एक अनूठा उदाहरण था।

-गिनीज बुक संस्था के प्रतिनिधि श्रीदास ने मंच से किया विश्व रिकार्ड की घोषणा

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने इसे बस्ती के इतिहास का एक गौरवपूर्ण क्षण बताया।

'पहल संस्था' के संस्थापक मनीष मिश्रा ने इस उपलब्धि को बस्ती की महिलाओं द्वारा रचा गया इतिहास बताया। उन्होंने कहा कि यह केवल एक रिकॉर्ड नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, लोक परंपरा और महिला शक्ति का सम्मान है। मिश्रा ने जोर दिया कि इस उपलब्धि ने जिले का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तरों पर रोशन किया है। इससे सांस्कृतिक थाती मजबूत हुई है।

इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में हर्रैया विधायक अजय सिंह, भाजपा नेत्री संध्या दीक्षित, सत्येंद्र सिंह भोलू, विकास उपाध्याय, रामू पाठक और अभिनव उपाध्याय सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा ने किया महिलाओं द्वारा संचालित देशी स्पून फेमली रेस्टोरेन्ट का उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा ने भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अंकुर वर्मा के साथ राणा प्रताप चौराहे के निकट सिविल लाइन्स में महिलाओं द्वारा संचालित देशी स्पून फेमली रेस्टोरेन्ट का उद्घाटन किया। कहा कि यह रेस्टोरेन्ट महिला सशक्तीकरण का एक बड़ा उदाहरण है।

नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा ने कहा कि सिविल लाइन्स क्षेत्र में फेमली रेस्टोरेन्ट का अभाव था। इस रेस्टोरेन्ट के खुल जाने से जहां लोगों को तरह–तरह के सुस्वादु पकवान मिलेगे वहीं जन्म दिन, किटी पार्टी आदि आयोजन किया जा सकेगा।

फेमली रेस्टोरेन्ट की संचालिका शचि वर्मा और शालिनी त्रिपाठी ने उद्घाटन में आये अतिथियों का स्वागत करते हुये कहा कि उन्हें अपने पतियों रूपेश श्रीवास्तव और विवेक त्रिपाठी का साथ मिला तो यह सपना साकार हुआ। कहा

–महिला सशक्तीकरण का उदाहरण बनेगा रेस्टोरेन्ट, मिलेंगे विविध प्रकार के व्यंजन

कि महिलाओं द्वारा संचालित देशी स्पून फेमली रेस्टोरेन्ट महिलाओं के आत्मनिर्भर होने का उदाहरण बनेगा इसमें संदेह नहीं। कहा कि परिवार सहित आईये, सुकून से देशी, दक्षिण भारतीय व्यंजनों का स्वाद लीजिये। इस रेस्टोरेन्ट में आपको अपनापन और बेहतर सेवा मिलेगी ऐसा पूरा प्रयास है। भाजपा के वरिष्ठ नेता अंकुर वर्मा ने कहा कि बस्ती शहर के लिये यह अनूठी पहल और नारी शक्ति का समर्थ उदाहरण है।

इस अवसर पर अनिता वर्मा, रूपेश श्रीवास्तव , बृजेश मिश्रा, राम सनेही यादव,अभिनव त्रिपाठी, रयान श्रीवास्तव के साथ ही बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 26 मई 2026 मंगलवार

अपने भू–राजनीतिक केन्द्र की ओर लौटता भारत

–ज्योति मल्होत्रा–

भारत अपने पुराने भू–राजनीतिक केंद्र की ओर लौट रहा है। क्वाड देशों के विदेश मंत्री भारत पहुंचे हैं वहीं ब्रिक्स समिट भी यहीं होनी है। विश्व कूटनीति में यह दौर 'मल्टी एलाइनमेंट' का है। एक साथ कई संबंध साधना व संतुलन बनाना। हालांकि इस प्रक्रिया में चुनौतियां बहुत हैं, पिछले ढंग छोड़ने से गहरी दरारें बनी व संबंध तनावपूर्ण हुए।

खबरें स्वागत योग्य है कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन सितंबर में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए भारत आएंगे– खासकर क्वाड गुट के विदेश मंत्रियों की बैठक के संदर्भ में, जिसके लिए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के अलावा जापान और ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री भी राजधानी पहुंचे हैं। अगले कुछ दिनों में होने वाला भारत–अफ्रीका शिखर सम्मेलन दुर्भाग्यवश टालना पड़ा क्योंकि इबोला वायरस का खतरा फिर से सिर उठाने लगा है।

आखिरकार, भारत अपने पुराने भू–राजनीतिक केंद्र की ओर लौटता दिखाई दे रहा है। शायद इसके पीछे डोनाल्ड ट्रम्प का पाकिस्तान के प्रति छिपाए न छिपने वाला लगाव, पश्चिम एशिया में युद्ध से अर्थव्यवस्था पर चोट, और अमेरिका–चीन के बीच संभावित प्रलयंकारी तनाव ही वे वजहें थीं, जिन्होंने ध्यान केंद्रित करवाया। आखिरकार यह हो रहा है – भले ही विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी सिबी जॉर्ज ने एक युवा नॉर्वेजियन पत्रकार को भारत की प्राचीन सभ्यतागत विरासत पर लंबा–चौड़ा भाषण दिया हो, सिर्फ इसलिए कि उस पत्रकार ने एक ऐसा सवाल पूछ लिया था, जो उन्हें नागवार लगा। यह छोटी सी कीमत है, जो चुकानी पड़ रही है।

सच तो यह है कि शी जिनपिंग, व्लादिमीर पुतिन, लूला दा सिल्वा, सिरिल रामाफोसा और नरेंद्र मोदी – ये सभी कुछ ही महीनों में एक वार्ता कक्ष में मौजूद होंगे। ये सब चीन, रूस, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और भारत के नेता हैं, जो ब्रिक्स संगठन के संस्थापक सदस्य हैं। क्वाड गुट के विदेश मंत्रियों की बैठक इसका संकेत है कि लंबे समय से टलता आ रहा क्वाड शिखर सम्मेलन भी जल्द ही हो सकता है। यह इस बात का पैमाना है कि चीजें कितनी बदली हैं भले ही वे पहले जैसी न हों, पिछले 12 वर्षों में, जब से प्रधानमंत्री मोदी सत्ता में आए हैं, भारत की विदेश नीति की असली कहानी यही रही है। भारत ने अमेरिका (जिसके साथ रिश्ते आजकल जरा उतार–चढ़ाव भरे हैं), इस्राइल और यूएई के साथ दोस्ती प्रगाढ़ की हैय गलवान की ठंडी–बर्फीली चोटियों पर चीन के साथ आमने–सामने की स्थिति बनीय पाकिस्तान से दोस्ती का हाथ बढ़ाया, लेकिन सीमा पार से जारी आतंकवाद के लिए उसे दंडित भी कियाय अपने पड़ोस के अन्य भागों (जैसे बांग्लादेश और श्रीलंका) के साथ रिश्तों को नए सिरे से गढ़ने की कोशिश कीय और नीदरलैंड्स के साथ बराबर की हिस्सेदारी बनाई है। जहां तक नॉर्वे की बात है, तो हम यह जान चुके हैं कि छह अक्षरों के इस नाम में यदि वर्णमाला का 18वां अक्षर हटा दें तो बेहतर तरीके से पुनरू व्यवस्थित कर सकते हैं। क्योंकि भारत ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है तो ऐसा भी नहीं है कि कोई नया अंतर्राष्ट्रीय समीकरण बनने वाला है। पिछले से पिछले हफ्ते बीजिंग में ट्रंप का दौरा हमें बताता है कि चीन अमेरिकियों से टकराव करने से बचता रहेगा, क्योंकि अमेरिका उसका सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना हुआ है। वहीं, गत सप्ताह बीजिंग में पुतिन के दौरे से पता चलता है कि यूक्रेन के साथ अपने गतिरोध वाले युद्ध के चौथे साल में, और पश्चिमी देशों के छिद्र–दार प्रतिबंधों की मदद से, रूस अहम संबंधों,जैसे कि चीन और भारत, को स्थिर रखने की कोशिशें जारी रखेगा। (रूस को पता है कि अमेरिका के साथ चीन के आर्थिक रिश्ते, रूस के प्रति चीन के रवैये को सीमित रखेंगे, भले ही दोनों देश अन्य मामलों पर कितनी भी सहमति क्यों न रखते हों)।

चलिए, हम इस दौर का नाम श्नए दोस्त तलाशने और लोगों को प्रभावित करनाश रख देते हैं– यहां तक कि वे समाज के उच्च वर्ग यानी संभ्रांत तबके के लोग भी जो देशों को चलाने का काम करते हैं, वे भी उस भावना को समझते हैं जो श्बहु–संबद्धताश में निहित है। यह दुनिया की हकीकतों से मुंह मोड़ना नहीं, जैसा कि श्गुटनिरपेक्षताश में था, बल्कि यह दुनिया से और भी ज्यादा जुड़ाव है। अब जबकि भारत अपनी आजादी के 80वें साल में प्रवेश कर रहा है, उसे यह बात समझ आ गई कि एक क्षेत्रीय शक्ति के तौर पर, जिसे अपनी परिस्थितियों का सर्वोत्तम उपयोग करना है, उसके लिए बहु–संबंध बनाना ही सबसे उपयुक्त रास्ता है।

ऐसा नहीं कि भारत ने अपनी बात खुलकर नहीं कही, तब भी जब पूर्व सोवियत संघ के साथ उसके संबंध गठबंधन जैसे थे। जब 1958 में बोरिस पेस्टरनाक को उनकी किताब श्डॉक्टर जिवैगोश के लिए साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिला, तो जवाहरलाल नेहरू ही थे जिन्होंने लेखक को स्वीडन जाकर मेडल लेने की अनुमति दिलवाने में अगुवाई की थी। (हालांकि सोवियत संघ ने उनकी भी नहीं सुनी)।

ऐसे और भी कई उदाहरण याद आते हैं। इंदिरा गांधी द्वारा मुस्कुरा कर जवाब देने से लेकर – जो उन्होंने एक अमेरिकी पत्रकार को दिया था जब उसने पूछा कि भारत श्वामपंथीश है या श्दक्षिणपंथीश –जिस पर उन्होंने कहा:'हम तो सीधे खड़े हैं' – अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा वर्ष 2000 में बिल क्लिंटन को भारत आने का निमंत्रण देने तक, जबकि दो साल पहले ही अमेरिका ने भारत के परमाणु परीक्षणों के कारण उस पर प्रतिबंध लगा रखे थे। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत में पांच शानदार दिन बिताएय वे जहां भी गए, उनका जोरदार स्वागत हुआ (जबकि पाकिस्तान में उन्होंने कड़े सुरक्षा घेरे में महज पांच घंटे बिताए)। उन्होंने भारत में इतना आनंद लिया कि फिर इससे कोई फर्क ही नहीं पड़ा कि किसने किसे सजा दी थी और किसने किसको माफ किया। यही कारण है कि 'कोट–टेल स्कूल ऑफ डिप्लोमेसी' (किसी शक्तिशाली देश की छत्रछाया में रहकर लाभ उठाने की कूटनीति)–जैसा जापान और आसियान देश बीते कई दशक से कर रहे हैं–भारत के संदर्भ में कारगर नहीं हो सकते। यह देश इतना विशाल, अलग, विविध व जटिल है कि इसे किसी एक तय ढांचे में फिट नहीं किया जा सकता। यही वजह कि उत्तर प्रदेश में लागू की गई 'एक जिला, एक व्यंजन' नीति–जिसमें एक भी व्यंजन मांसाहारी नहीं–बाकी जगह असफल होना तय है। अपनी भोजन नीति को कुछ विस्तार देते हुए,भाजपा ने यह बात समझ ली है कि जिन उत्तर भारतीय राज्यों में उसकी सरकारें हैं, वहां लागू किए गए श्गोमांस प्रतिबंधोंश को वह पूर्वोत्तर भारत में अपने सहयोगी दलों पर थोप नहीं सकती।

यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति का अपने मूल भू–राजनीतिक केंद्र की ओर लौटना स्वागत योग्य कदम है। चुनौतियां बहुत बड़ी हैं, क्योंकि इस भटकाव के कारण कुछ मुल्कों से दरारें और गहरी हो गईं, कुछ के साथ रिश्तों में खिंचाव आया, और कुछ संबंध तो पूरी तरह टूट गए। यह भी उतना ही सच है कि इस भटकाव ने हमें एक कीमती सबक सिखाया हैरू 'भरोसा करो, लेकिन सत्यापना जरूरी है'। राष्ट्रीय स्वयंसेवक नेता दत्तात्रेय होसाबले ने प्रधानमंत्री मोदी से पाकिस्तान के साथ रिश्ते सामान्य करने की जो अपील की है – यह कहकर कि अपनी सीमाएं स्थिर रखें और चौकस रहें – यह नीति 'भरोसा करो, लेकिन सत्यापना जरूरी है' सिद्धांत का एक जरूरी हिस्सा है, जो सर्वकालिक महागुरु चाणक्य ने पहली बार दिया था (वाजपेयी और मनमोहन सिंह की तरह, 1980 के दशक की शुरुआत में देंग शियाओपिंग की विदेश नीति का पहला काम सीमाओं को स्थिर करना ही थाय इन भद्रपुरुषों ने यह बात अच्छी तरह समझ ली थी कि शांत आस–पड़ोस देश में अंदरूनी शांति रखने का सूत्र है)।

ब्रिक्स और क्वाड, दोनों का फिर से सक्रिय होना अच्छा संकेत है, क्योंकि ये दोनों ही स्थिरता के केंद्र हैं। बांग्लादेश में एक राजनीतिक खिलाड़ी को भेजना, इसी सोच का विस्तार है। सोनिया गांधी के मायके, इटली के साथ रिश्तों को और मधुर बनाना,महान इतालवी दार्शनिक मैक्यावली की सोच के अनुरूप एक छोटा सा संकेत था।

अब, अपनी अंदरूनी व्यवस्था दुरुस्त करने के कठिन काम को पुनः शुरू करना होगा। सिबी जॉर्ज को केरल की यात्रा पर भेजा जाये–जिसका सारा खर्च सरकार उठाए–ताकि वे पुनः यह समझ सकें कि कैसे सीरियन ईसाई, मोपला मुसलमान और मालाबार के हिंदू नायर जैसे अलग–अलग समुदाय, एक ही कहानी समान नजरिए से देखते हैं, इस दिशा में एक अच्छी शुरुआत साबित हो सकती है।

लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

सम्पादकीय

डालर के मुकाबले गिरता रूपया

यूं देश के आयात–निर्यात असंतुलन के चलते पिछले दो दशकों से रुपये के मूल्य में लगातार गिरावट देखी गई है, लेकिन हाल के कुछ महीनों में इस गिरावट में तेजी आई है। खासकर ईरान–अमेरिकी युद्ध शुरू होने के बाद इसमें छह फीसदी की चिंताजनक गिरावट आई है। जो हमारी आयात पर अत्यधिक निर्भरता को ही दर्शाता है। यद्यपि दुनिया की उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए ऐसे मुद्रा संकट कोई नई बात नहीं है, लेकिन हालिया गिरावट हमारी चिंता बढ़ाने वाली है। दरअसल, यह गिरावट भू–राजनीतिक अस्थिरता, कच्चे तेल की कीमतों में अप्रत्याशित तेजी, वैश्विक आपूर्ति शृंखला में अनिश्चितता से मुद्रास्फीति और धीमी वैश्विक आर्थिक वृद्धि के बीच हो रही है। इन दबावों ने मिलकर एक ऐसा संवेदनशील वातावरण बनाया है, जिसमें रुपये की कमजोरी व्यापक आर्थिक व्यवधानों को जन्म दे रही है। वैसे तो बढ़ता आयात असंतुलन ही रुपये की गिरावट के मूल में है। सबसे बड़ा संकट तो कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता का है, जो करीब 88 फीसदी है। इसके अलावा खाद्य तेल, उर्वरक आदि आवश्यक वस्तुओं का आयात लगातार बढ़ा है। वहीं रुपये के डॉलर के मुकाबले लगातार गिरने से ये वस्तुएं महंगी हो गई हैं। खासकर ईंधन की बढ़ती कीमतों का असर परिवहन, मालभाड़ा वृद्धि, भोजन और घरेलू खर्चों पर पड़ा है। इसके चलते रुपये के अवमूल्यन से कंपनियां तथा देश के नीति–निर्माता भी खासे चिंतित हैं। विदेशी मुद्रा में ऋण लेने वाली भारतीय कंपनियों पर ऋण चुकाने का अतिरिक्त बोझ बढ़ रहा है।

दरअसल, इन सभी कारणों से बढ़ते व्यापार घाटे का चालू खाते के घाटे पर अतिरिक्त दबाव पड़ा है। जिसके चलते शेयर बाजार में लगातार गिरावट का ट्रेंड देखा जा रहा है। वास्तव में विदेशी निवेशक अनिश्चितता के वातावरण में सुरक्षित अमेरिकी कंपनियों में निवेश बढ़ा रहे हैं। फलतरू अर्थव्यवस्था में विदेशी निवेश में लगातार निकासी का रुझान देखा जा रहा है। जिसने हमारी आर्थिक चिंताओं को और बढ़ाया है। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक ने इस जारी अस्थिरता को कम करने के लिये विदेशी मुद्रा भंडार के माध्यम से हस्तक्षेप किया है, लेकिन ऐसे उपाय महज गिरावट की गति को कम करने के अलावा बहुत ज्यादा कुछ नहीं कर सकते हैं। वहीं दूसरी ओर, सोलहवें वित्त आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया ने तर्क दिया है कि रुपये का स्वाभाविक रूप से अवमूल्यन करने से समय के साथ व्यापार असंतुलन को दुरुस्त करने में मदद मिल सकती है। उन्होंने केंद्रीय बैंक से आग्रह किया है कि वैश्विक आपूर्ति में व्यवधान के कारण होने वाले मुद्रा के उतार–चढ़ाव से निपटने के लिये विशिष्ट विनिमय दर लक्ष्यों मसलन सौ रुपये प्रति डॉलर से आगे बढ़कर विचार करना चाहिए। हालांकि, अनियंत्रित अवमूल्यन से गंभीर जोखिम भी पैदा हो सकते हैं। देश के नीति–निर्माताओं को बाजार समायोजन की अनुमति देने और अत्यधिक अस्थिरता को रोकने के बीच सावधानी से संतुलन बनाने की जरूरत होगी। निश्चित रूप से सरकार की ओर से मुद्रास्फीति का कुशल प्रबंधन और अर्थव्यवस्था में निवेशकों का भरोसा बनाये रखना, देश की आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करने में मददगार साबित हो सकता है।

क्वाड बैठक पर टिकी निगाहें

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से गहरा रहे वैश्विक संकट के बीच क्वाड देशों की महत्त्वपूर्ण बैठक होने जा रही है। खास बात यह है कि भारत की मेजबानी में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में यह बैठक होगी। खबरों के मुताबिक, इस बैठक में हिंद–प्रशांत क्षेत्र की मौजूदा स्थिति पर विचार–विमर्श के अलावा विश्व भर में पैदा हुए ऊर्जा संकट से निपटने के उपायों पर भी मंथन किया जाएगा।

इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन दौरे को लेकर भी यह उम्मीद जताई जा रही थी कि पश्चिम एशिया में शांति बहाली का कोई रास्ता निकलेगा, मगर दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों की वार्ता के नतीजे में ऐसा कुछ नजर नहीं आया।

क्वाड में शामिल देशों में से भारत पर इस वैश्विक संकट का मौजूदा परिस्थितियों में सबसे ज्यादा असर दिख रहा है। चूंकि वर्तमान में भारत क्वाड की अध्यक्षता कर रहा है, इसलिए यह उम्मीद है कि इस बैठक में ऊर्जा संकट का मसला प्रमुखता से रखा जाएगा। यह इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि क्वाड में अमेरिका भी शामिल है और ईरान के साथ उसके और इजरायल के संघर्ष से ही संकट की यह स्थिति उत्पन्न हुई है।

क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक 26 मई को होगी और अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शनिवार को भारत पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं, विशेषकर रक्षा, व्यापार, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में सहयोग बढाने पर विचार–विमर्श किया। साथ ही पश्चिम एशिया की स्थिति पर भी चर्चा की गई।

अब सबकी नजरें क्वाड की बैठक पर टिकी हैं कि उसमें किन मुद्दों पर प्रमुखता से चर्चा की जाएगी। अमेरिका–इजरायल और ईरान के बीच फिलहाल युद्धविराम जारी है, लेकिन होर्मुज जलमार्ग को खुलवाने के लिए अमेरिका के प्रयास अभी तक नाकाम रहे हैं। इसके बजाय होर्मुज के आसपास अमेरिका की नाकेबंदी से स्थिति और जटिल हो गई है।

दोनों देश अपनी–अपनी शर्तों पर अड़े हैं, जिस कारण शांति वार्ता के मार्ग पर अनिश्चितता की बर्फ जम गई है। यही वजह है कि वैश्विक स्तर पर ऊर्जा समेत अन्य आवश्यक वस्तुओं की कमी का संकट लगातार गहराता जा रहा है।

पश्चिम एशिया में संघर्ष से उपजे वैश्विक संकट का भारत पर कितना असर हुआ है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में दस दिनों से भी कम समय में शनिवार को तीसरी बार बढ़ोतरी की गई। पेट्रोल के दाम में 87 पैसे प्रति लीटर, जबकि डीजल में 91 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि की गई है। सीएनजी की कीमत में भी एक रुपए प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी हुई है।

जाहिर है कि ईंधन के दामों में इजाफे से आने वाले दिनों में रोजमर्रा के इस्तेमाल की वस्तुएं भी महंगी होंगी। कुल मिलाकर इस संकट की सबसे ज्यादा मार आमजन पर ही पड़ेगी। इसलिए जरूरी है कि क्वाड की बैठक में इस मसले को प्रमुखता से रखा जाए और संकट का स्थायी समाधान तलाशने की कोशिश की जाए।

इस संगठन में भारत, अमेरिका के अलावा आस्ट्रेलिया और जापान शामिल हैं और यह हिंद–प्रशांत क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करने वाले एक प्रमुख समूह के रूप में उभरा है। क्वाड की इस बैठक को इसलिए भी अहम माना जा रहा है कि इसमें समुद्री सुरक्षा, बुनियादी ढांचा और संपर्क सुविधा जैसे मसलों पर गहन मंथन किए जाने की संभावना है।

डीजल, पेट्रोल का गहराता संकट

–दीपक कुमार त्यागी–

वैसे तो देशभर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील के बाद से ही यह मुहिम धरातल पर धीरे–धीरे रंग लाती जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील के बाद से ही भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से लेकर के आम कार्यकर्ताओं तक ने सर्वप्रथम बड़े पैमाने पर इस मुहिम में शामिल होकर के इसको एक आंदोलन का रूप देने का कार्य किया।

अमेरिका–ईरान युद्ध के चलते जिस समय पूरे विश्व के सामने ऊर्जा संकट व मंहगाई सुरसा राक्षसी की तरह मूंह खोलकर के देश की दौलत को निगलने के लिए खड़ी है, उस दौर में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डीजल व पेट्रोल को बचाने व सोना ना खरीदने की सभी देशवासियों से अपील की है, क्योंकि मोदी की इस अपील पर अमल करने से भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ने वाला बोझ कम से कम कुछ तो कम होगा, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को बेहतर होने का अवसर भी मिलेगा। हालांकि प्रध ाानमंत्री मोदी की इस अपील के बाद से ही देश के विभिन्न हिस्सों में मोदी के द्वारा चलाई जा रही इस राष्ट्रहित की मुहिम में शामिल होने की होड़ लग गई है। हालांकि अभी तो अधि ाकतर लोग सांकेतिक रूप से प्रध ाानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस मुहिम में ज्यादा जुड़ रहे हैं, लेकिन सांकेतिक ही सही एक बहुत अच्छी पहल में कम से कम लोगों के जुड़ने की शुरुआत तो हुई और आने वाले दिनों में उम्मीद है कि इस पहल पर बड़े पैमाने पर आम लोग भी अमल करेंगे। वैसे तो देशभर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील के बाद से ही यह मुहिम धरातल पर धीरे–धीरे रंग लाती जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील के बाद से ही भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से लेकर के आम कार्यकर्ताओं तक ने सर्वप्रथम बड़े पैमाने पर इस मुहिम में शामिल होकर के इसको एक आंदोलन का रूप देने का कार्य किया। जिसके बाद से ही देश भर में ज्यूडिशियरी, शीर्ष नौकरशाह, कर्मचारी व आम जनमानस तक भी मोदी की इस मुहिम में अब बड़े पैमाने पर शामिल होते हुए नजर आ रहे हैं। शासन–प्रशासन के शीर्ष स्तर पर काबिज बैठे हुए ताकतवर लोगों में देश भर में वाहनों के लंबे–चौड़े काफिले का त्याग करने की फिलहाल तो एक होड़ लगी हुई है। हालांकि उन लोगों का यह कदम वास्तव में दिल से खर्चों में कटौती करते हुए जीवन में सादगी अपनाने की धरातल पर एक स्थाई पहल है या सिर्फ मीडिया व सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मों पर अपनी कुछ पोस्ट डालकर के वाहवाही लूटने की एक नौटंकी मात्र है, यह तो आने वाला समय ही बता पायेगा। लेकिन अच्छी बात यह है कि कम से कम युद्ध के माहौल के चलते जब पूरी दुनिया ऊर्जा व आर्थिक संकट के मुहाने पर खड़ी है, उस वक्त प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस अपील पर भारत में धरातल पर अमल शुरू होना देश व समाज हित के लिए एक बहुत अच्छा संकेत है।

लेकिन विचारणीय तथ्य यह भी है कि क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यह मुहिम कुछ समय की ना होकर के देश व समाज हित में ध ारातल पर दीर्घकालीन स्थाई रूप ले पायेगी, हालांकि यह तो आने वाला समय ही बता पायेगा। लेकिन पूरी दुनिया में जिस तरह से युद्धों के चलते बेहद ही तनावपूर्ण माहौल चल रहा है, उस माहौल का स्पष्ट रूप से संदेश है कि अब वह दौर आ गया है जब देश व समाज के हित में जनता के टैक्स के पैसे के दम पर राजा–महाराजाओं की तरह पूरी शानो–शौकत व ठाट–बाट से जीवन व्यतीत कर रहे शासन–प्रशासन के लोग सादगी से जीवनयापन करने की आम जनमानस के सामने नजीर पेश करते हुए लोगों को भी ष्सादा जीवन उच्च विचार के लिए प्रेरित करें। वैसे भी देखा जाए तो अब देश व दुनिया में वह दौर शुरू हो गया है, जब देश व समाज के हित की बातें सिर्फ और सिर्फ सरकारी दफ्तरों में बैठकर के आम जनमानस पर अपने विचार या नियम–कानून बना कर के थोप देने मात्र से ही पूरी नहीं हो जाती है, बल्कि उस पर अमल करवाने के लिए शासन–प्रशासन में बैठे हुए ताकतवर लोगों को भी स्वयं अनुशासित होकर के जीवन पथ पर सादगी व जवाबदेही को अपनाकर उदाहरण पेश करना चाहिए, तब ही आम जनमानस भी उन लोगों की देखा–देखी उस पर अमल करने का कार्य करेगा। लेकिन आज के वीवीआईपी बनकर के दिखाने वाले दौर में जिस तरह के राजसी ठाट–बाट के साथ कुछ राजनेताओं व शासन–प्रशासन में बैठे हुए कुछ लोग सरकारी व निजी दौरों के दौरान अनाप–शनाप खर्चा करते हैं, क्या ऐसे लोग के द्वारा देश व समाज हित में उन सभी अनावश्यक खर्चों में स्वयं ही कटौती करने की पहल करके जनता के सामने एक बड़ी मिसाल कायम नहीं करनी चाहिए।

विचारणीय तथ्य यह भी है कि आजकल देश में जिस तरह से सरकारी या गैरसरकारी लोगों के मन में अपने आपको एक बड़ा वीवीआईपी दिखाने की चाह रहती है, वह चाहते देश व समाज हित में ठीक नहीं है, क्योंकि इन लोगों को वीवीआईपी दिखाने की चाहत में सिस्टम का बड़ा तामझाम, लग्जरी मंहगी गाड़ियों के लंबे–चौड़े काफिले, चार्टर प्लेन आदि दिखावे पर जनता के द्वारा देश के विकास के लिए दिये गये टैक्स की काफी धनराशि का दुरुपयोग होता है, जिसको तत्काल रोका जाना चाहिए। वहीं कुछ लोगों के द्वारा अपना भौकाल बनाने के लिए व दिखावे के लिए ली गयी अत्यधिक सुरक्षा व्यवस्था और रखरखाव में होने वाले अतिरिक्त खर्चों को भी अब बिल्कुल सीमित करना चाहिए। क्योंकि जिस तरह से चंद लोग सिस्टम में बैठे कुछ ताकतवर लोगों की कृपा से सरकारी अमले की आड़ में जनता के टैक्स के पैसों पर मौज मस्ती करते हुए जनता का ही आये दिन उत्पीड़न करते हैं, यह किसी से भी छिपा हुआ नहीं है, सिस्टम में बैठे हुए कुछ लोगों से सांठ–गांठ करके हमारे प्यारे देश में धनपशु, दलाल व अपराधी तक भी सरकारी सुरक्षा व सुविधाओं के भौकाल का आनंद लें रहे हैं, जो नियम कायदे व कानून पसंद देशभक्त देशवासियों के लिए बेहद चिंताजनक स्थिति है।

तपती धरती, झुलसता जीवन

–ललित गर्ग–

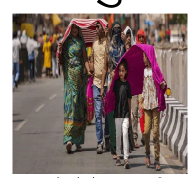

वर्ष 2026 की गर्मी केवल एक मौसमीय घटना नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के सामने खड़ी एक गंभीर चेतावनी बनकर सामने आई है। अप्रैल–मई के दौरान भारत सहित दक्षिण एशिया के अनेक हिस्सों में पड़ी रिकॉर्ड हीटवेव ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य का संकट नहीं, वर्तमान की भयावह वास्तविकता है। दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और मध्य भारत के अनेक क्षेत्रों में तापमान 46 से 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। कई शहरों में बिजली की मांग ने रिकॉर्ड तोड़ दिए। सड़कें सूनी दिखने लगीं, श्रमिकों का श्रम ठहरने लगा और बच्चों, बुजुर्गों तथा गरीब तबकों के सामने जीवन बचाने की चुनौती खड़ी हो गई। यह संकट अचानक नहीं आया। यह दशकों से प्रकृति के साथ किए गए असंतुलित व्यवहार, अंधाधुंध शहरीकरण, जंगलों की कटाई, संसाधनों के दोहन और सुविधावादी जीवनशैली का परिणाम है। प्रकृति ने बार–बार संकेत दिए, लेकिन विकास की अंधी दौड़ में हमने उन संकेतों को अनसुना किया। आज वही उपेक्षित चेतावनियां लू बनकर हमारे सामने खड़ी हैं।

हीटवेव का सबसे बड़ा कारण केवल बढ़ता तापमान नहीं, बल्कि वह विकास मॉडल है जिसने धरती की प्राकृतिक ढाल को कमजोर कर दिया। जंगल सदियों से पृथ्वी के प्राकृतिक एयर कंडीशनर रहे हैं। वे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं, वाष्पोत्सर्जन द्वारा वातावरण को शीतल रखते हैं और वर्षा चक्र को संतुलित बनाए रखते हैं। लेकिन विडंबना है कि विकास के नाम पर जंगलों का तेजी से विनाश हुआ। हर वर्ष लाखों हेक्टेयर वन क्षेत्र समाप्त हो रहे हैं। इसका परिणाम यह हुआ कि स्थानीय स्तर पर तापमान बढ़ा, नमी कम हुई, वर्षा चक्र प्रभावित हुआ और गर्म हवाओं की अवधि लंबी होती गई। आज शहर "कंक्रीट के जंगल" बन चुके हैं। महानगरों में हरित क्षेत्र सिकुड़ते जा रहे हैं और उनकी जगह सीमेंट, डामर और शीशे की ऊंची इमारतें ले रही हैं। इससे "अर्बन हीट आइलैंड" प्रभाव तेजी से बढ़ा है। शहर अब आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कई डिग्री अधिक गर्म हो चुके हैं। कंक्रीट दिनभर सूर्य की ऊष्मा को सोखता है और रात में धीरे–धीरे छोड़ता है। परिणामस्वरूप रातें भी गर्म होती जा रही हैं और शरीर को राहत नहीं मिल पाती।

दिल्ली, मुंबई, जयपुर और लखनऊ जैसे शहरों में रात का तापमान पहले की तुलना में लगातार बढ़ रहा है। गरीब बस्तियों में स्थिति और भी गंभीर है। वहां न हरित क्षेत्र हैं, न पर्याप्त जल आपूर्ति, न शीतलन के साधन। टीन की छतों वाले घर दिन में भट्ठी बन जाते हैं।

गर्मी की मार सामाजिक असमानता को और गहरा करती है। अमीर वर्ग एयर कंडीशनर और बंद कमरों में राहत खोज लेता है, लेकिन मजदूर, रिक्शाचालक, रेहड़ी वाले और निर्माण कार्य में लगे श्रमिक खुले आसमान के नीचे झुलसते रहते हैं। विडंबना यह भी है कि गर्मी से राहत का सबसे लोकप्रिय साधन एयर कंडीशनर स्वयं संकट को बढ़ाने वाला कारक बनता जा रहा है। एक एयर कंडीशनर कमरे को ठंडा करता है, लेकिन बाहर उतनी ही गर्म हवा छोड़ता है। इसके साथ ही बिजली की खपत बढ़ती है, जिसका बड़ा हिस्सा अभी भी कोयला आधारित ऊर्जा से आता है। रेफ्रिजरेंट गैसें अतिरिक्त ग्रीनहाउस प्रभाव पैदा करती हैं। इस प्रकार एक दुष्चक्र निर्मित हो गया है–गर्मी बढ़ती है, एसी बढ़ते हैं, उत्सर्जन बढ़ता है और फिर गर्मी और बढ़ जाती है।

जलवायु परिवर्तन का प्रभाव केवल तापमान तक सीमित नहीं है। यह कृषि, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर भी व्यापक असर डाल रहा है। वैज्ञानिक अध्ययनों से संकेत मिले हैं कि बढ़ती गर्मी और अनिश्चित मौसम के कारण गेहूं, ध ाान और अन्य फसलों की उत्पादकता प्रभावित हो रही है। गर्म हवाएं पौधों की वृद्धि रोकती हैं, जल स्रोतों को सुखाती हैं और मिट्टी की उर्वरता को प्रभावित करती हैं। यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले वर्षों में खाद्य संकट भी गहरा सकता है। स्वास्थ्य क्षेत्र पर भी इसका गंभीर प्रभाव दिख रहा है। लू लगना, निर्जलीकरण, हीट स्ट्रोक, हृदय रोग और मानसिक तनाव जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। अस्पतालों में गर्मी से जुड़ी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। सबसे अधिक खतरा बुजुर्गों, बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बाहर काम करने वाले श्रमिकों को है।

गर्मी का यह संकट सामाजिक और मानवीय संकट भी बन सकता है। जल स्रोतों के सूखने, कृषि संकट और जीवन परिस्थितियों के बिगड़ने से बड़े पैमाने पर पलायन बढ़ सकता है। जैव विविधता पर भी इसका गहरा प्रभाव पड़ रहा है। अनेक जीव–जंतु और वनस्पतियां अपने प्राकृतिक आवास खो रही हैं। हजारों प्रजातियों के अस्तित्व पर संकट मंडरा रहा है। ऐसी स्थिति में सरकारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। केवल रेड अलर्ट और ऑरेंज अलर्ट जारी करना पर्याप्त नहीं है।

को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के प्रमुख विषय के रूप में स्वीकार करते हुए दीर्घकालिक नीतियां बनानी होंगी। सबसे पहले शहरों में हीट एक्शन प्लान को प्रभावी ढंग से लागू करना होगा। प्रत्येक शहर में हरित क्षेत्र बढ़ाने, जल संरक्षण, छायादार मार्ग, सार्वजनिक प्याऊ और शीतलन केंद्रों की व्यवस्था आवश्यक है। स्कूलों, कॉलेजों और कार्यस्थलों के समय निर्धारण में क्षेत्रीय तापमान को ध्यान में रखा जाना चाहिए। तीखी दोपहर में श्रमिकों के लिए कार्यावधि सीमित की जाए और उनके लिए विश्राम तथा पेयजल की व्यवस्था अनिवार्य हो।

चकनाली और हरिजन आबादी की भूमि से अवैध कब्जा हटवाएं

संवाददाता–गोण्डा। मंडलायुक्त कार्यालय पर सोमवार को आयोजित मां पाटेश्वरी शक्ति संवाद कार्यक्रम में 32 महिलाओं ने आयुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल को अपनी फरियाद सुनाई। शिकायतों को सुनने के बाद आयुक्त ने मनकापुर क्षेत्र में चकनाली और बहराइच जिले पयागपुर तहसील क्षेत्र में हरिजन आबादी की भूमि पर अवैध कब्जा हटाने के निर्देश दिए। इस दौरान भूमि विवाद, उत्पीड़न, अवैध कब्जा, चकमार्ग, आवास, पारिवारिक विवाद संबंधी शिकायतें प्रमुख रूप से सामने आईं। गोंडा जिले के मनकापुर तहसील क्षेत्र के ग्राम हाजीजोत निवासी कान्ती देवी ने चक नाली पर अवैध कब्जे की शिकायत की। महिला ने आरोप लगाया कि गांव के कुछ लोगों ने चक नाली को जोतकर खेत में मिला लिया है, जिससे सिंचाई और आवागमन प्रभावित हो रहा है। महिला ने क्षेत्रीय कानूनगो पर भी पैमाइश न कराने का आरोप लगाया। इस प्रकरण्या में आयुक्त ने एसडीएम मनकापुर को जांच कर चक नाली को अतिक्रमण मुक्त कराने और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए।आयुक्त से बहराइच जिले के थाना विशेश्वरगंज क्षेत्र के ग्राम गुलरिहा निवासी चंद्रकला ने पड़ोसियों पर दीवार गिराने और उत्पीड़न का आरोप लगाया। विरोध करने पर परिवार को धमकी दिए जाने का भी आरोप लगाया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए आयुक्त ने एसएचओ विशेश्वरगंज को जांच कर नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए। तहसील पयागपुर के ग्राम निगोह निवासी मुन्नी पत्नी पप्पू सोनकर ने हरिजन आबादी की भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत दर्ज कराई। महिला ने आरोप लगाया कि गांव के एक व्यक्ति ने करीब दस वर्षों से आबादी की भूमि पर कब्जा कर निर्माण करा लिया है। पीड़िता के अनुसार तहसीलदार पयागपुर द्वारा बेदखली आदेश पारित किए जाने के बावजूद अब तक कब्जा नहीं हटाया गया।

बाघ ने हमला करके महिला को मार डाला, पशुओं के लिए घास काटने खेत गई थी

संवाददाता–बहराइच। सोमवार सुबह घास काटने गई महिला पर बाघ ने हमला करके मार डाला। घटना से इलाके में दहशत फैल गई। सूचना पर वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर जानकारी जुटाई है। आगे की आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। घटना कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के मुर्तिहा रेंज के अंतर्गत अमृतपुर पुरैना गांव की है। बाघ के हमले में गांव निवासी रीता (38) की मौत हुई है। बताया गया कि सुबह करीब 9:30 बजे रीता मवेशियों के लिए घास काटने खेतों गई थी। इसी दौरान झाड़ियों में छिपे बाघ ने उस पर हमला कर दिया। हमले में उसकी मौत हो गई। कुछ देर बाद जब गांव के अन्य लोग खेतों की ओर पहुंचे तो उसका शव पड़ा देखा। ग्रामीणों के मुताबिक, मौके पर बाघ के पदचिह्न मिले हैं। कुछ दूरी पर उसकी दहाड़ की आवाज भी सुनाई दे रही है। खबर फैली तो मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। सूचना वन विभाग के मुर्तिहा रेंज कार्यालय को दी गई। घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और बाघ को पकड़ने की मांग की है। लोगों का कहना है कि जंगल से सटे गांवों में लगातार वन्यजीवों की आवाजाही बढ़ रही है। इससे ग्रामीणों की जान पर खतरा मंडरा रहा है। प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) अपूर्व दीक्षित ने बताया कि घटना की सूचना प्राप्त हुई है। वन विभाग की टीम को मौके पर भेज दिया गया है। टीम घटनास्थल का निरीक्षण कर रही है। आगे की आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। साथ ही ग्रामीणों को सतर्क रहने और अकेले जंगल किनारे न जाने की सलाह दी गई है।

सास–बहू को डंडे पीटकर लाखों की चोरी

संवाददाता–गोण्डा। रविवार देर रात तीन चोरों ने छत के रास्ते घर में घुसकर सास प्राणदेई और बहू बिंदु वर्मा की पिटाई की है। इसके बाद चोर लाखों रुपए के सोने–चांदी के जेवरात और 5000 रुपए नकद लेकर फरार हो गए। इस संबंध में प्राणदेई ने छपिया थाने में तीन अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। प्राणदेई ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि यह घटना रात 1 से 2 बजे के बीच हुई। पुलिस टीम जांच पड़ताल में जुटी हुई है। मामला छपिया थाना क्षेत्र के तालागंज ग्रंट गांव का है। वह और उनकी बहू बिंदु घर पर मौजूद थीं। छत के रास्ते घर में घुसे चोरों को देखकर जब उन्होंने विरोध किया, तो चोरों ने दोनों को दो–दो डंडे मारे, जिससे वे डर गईं। इसके बाद चोरों ने घर में रखे बक्से और अलमारी के ताले तोड़ दिए। चोरों ने 5000 रुपए नकद के साथ सोने–चांदी के कई जेवरात चुराए, जिनमें एक चेन, दो अंगूठी, हार, झुमकी, मथबिंदिया, नथुनी, गले का लॉकेट, चार जोड़ी बिछुआ और चार जोड़ी पायल शामिल हैं।

ट्रैक्टर–ट्रॉली की चपेट में आए 22 साल के अनुज की मौत

संवाददाता–कुशीनगर। तुर्कपट्टी थाना क्षेत्र के नकटहा बसडीला–बलडीहां मार्ग पर सोमवार की सुबह ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक स्कूटी सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मौजूद लोगों की सूचना पर आए परिजन उन्हें मेडिकल कॉलेज रविंद्रनगर ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में उनकी मौत हो गई। कुबेरस्थान थाना क्षेत्र के ग्राम सिकटा निवासी 22 वर्षीय अनुज कुमार सिंह उर्फ बादल अपने बुआ के घर नकटहा बसडीला गए थे। वहां से सोमवार की सुबह स्कूटी से वे बुआ के लड़के को परीक्षा दिलाने तुर्कपट्टी की तरफ जा रहा था। अभी वे बलडीहां गांव के पास पहुंचे ही थे कि मिट्टी लेकर जा रहे एक ट्रैक्टर–ट्राली की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्कूटी पर पीछे बैठे युवक को हल्की चोट आई है। मौजूद लोगों की सूचना पर आए परिजन उन्हें मेडिकल कॉलेज रविंद्रनगर ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। सूचना पर घटना स्थल पर गई पुलिस ट्रैक्टर–ट्रॉली और चालक को थाने ले गई। पुलिस ने अनुज के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अनुज दो भाई व एक बहन में दूसरे नंबर का था। उनके पिता रोजी रोटी के सिलसिले में विदेश रहते हैं। उनके मौत की जानकारी मिलते ही परिवार में चीखपुकार मच गया।

बढ़ती महंगाई को लेकर बिफरे सपाई, नौतनवा में किया प्रदर्शन

संवाददाता–महराजगंज। समाजवादी पार्टी ने सोमवार को प्रदेश में बढ़ती महंगाई, अघोषित बिजली कटौती एवं पेट्रोल पंपों पर डीजल के लिए जूझ रहे किसानों की समस्या को लेकर तहसील मुख्यालय पर धरना–प्रदर्शन किया। सपा नेताओं ने राज्यपाल को संबोधित आठ सूत्रीय ज्ञापन एसडीएम नवीन प्रसाद को सौंप कर समाधान की मांग की। धरना प्रदर्शन के दौरान सपा नेताओं ने जमकर प्रदेश सरकार की नीतियों पर हमला बोला और सरकार के विरुद्ध नारेबाजी की। सपाइयों ने मांग की कि बढ़ती महंगाई को तत्काल नियंत्रण किया जाए और डीजल–पेट्रोल की उपलब्धता सुनिश्चित कर किसानों को राहत दी जाए। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव बैजू यादव के नेतृत्व में पहुंचे सपा नेताओं व कार्यकर्ताओं ने सरकार पर हमला बोला। कहा कि प्रदेश में बढ़ती आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को रोकने में सरकार पूरी तरह विफल हो चुकी है। आज किसान पेट्रोल पंप पर पूरी–पूरी रात लाइन लगाकर डीजल पाने के लिए जूझ रहा है। किसान की खेती प्रभावित हो रही है, जिसकी वजह से किसानों में भारी हताश व आक्रोश बढ़ता जा रहा है। भीषण गर्मी में अघोषित बिजली कटौती ने आम नागरिकों का जीवन अस्त–व्यस्त कर दिया है और सरकार 24 घंटे बिजली का दावा ठोक रही है। गरीब व मजदूर वर्ग के लोगों का इस भीषण गर्मी में बिजली कनेक्शन काट दिया जा रहा है, जिससे असंतोष की भावना बढ़ती जा रही है। सपाइयों ने कहा कि युवाओं के साथ सरकार खिलवाड़ कर रही है। नीट के पेपर लीक की घटना ने लाखों नौजवानों के सपनों को बिखेरने का काम किया है। युवाओं के भविष्य के साथ लगातार खिलवाड़ किया जा रहा है। सपाइयों ने राज्यपाल से पत्र के जरिए मांग की कि बढ़ती महंगाई को नियंत्रित किया जाए और डीजल–पेट्रोल गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करें। धरना–प्रदर्शन में राष्ट्रीय सचिव बैजू यादव, विक्रम यादव, गुल हसन, भोला यादव, बाबूलाल, जयराम पासवान, जुगेश यादव, कमलेश भारती, आलोक शर्मा, राम नारायण भारती, राजनाथ यादव, शिव अवतार यादव, रामकिशोर पासवान सहित बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

फंदे से लटक कर किशोरी ने दे दी जान

संवाददाता–देवरिया। गोरीबाजार के करमाजीतपुर गांव में दुपट्टा के सहारे पंखे के कुंडी से लटक कर एक किशोरी ने जान दे दी। पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। गौरीबाजार के करमाजीतपुर निवासी प्रीती (16) पुत्री रामप्यारे हाईस्कूल की छात्रा थी। वह सोमवार को दोपहर में पंखे के कुंडी से दुपट्टे के सहारे झूल गई। बताया जाता है पिता वाहन चलाने गए और मां बहन के घर लड़की की शादी में शामिल होने गई थी। घर पर वह और उसकी भाभी थी। कुछ देर बाद उसकी भाभी किसी काम से बुलाने गई तो कमरा भीतर से बंद था।

बुलाने पर अंदर से आवाज नहीं आने पर आसपास के लोगों को बुलाई। फाटक तोड़ लोग कमरे में दाखिल हुए तो आवाक रह गए। उन्होंने इसकी सूचना माता–पिता और पुलिस को दी। फंदे से नीचे उतार पुलिस ने छात्रा के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। छात्रा की मौत से परिवार में कोहराम मच गया।

14 साल के किशोर को दिल दे बैठी चार बच्चों की मां, अब साथ रहने की जिद, थाने पहुंचा मामला

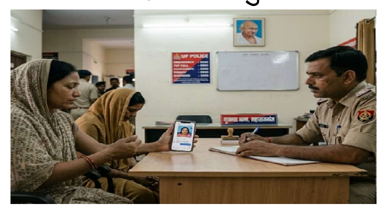

संवाददाता–महराजगंज। एक अजीब मामला नौतनवा पुलिस के सामने आया है। यहां चार बच्चों की मां 14 साल के किशोर को दिल दे बैठी। उससे शादी का भी दावा करते हुए किशोर के साथ ही रहने की जिद पर अड़ गई है। किशोर और उसके परिजनों ने इनकार किया तो महिला थाने पहुंच गई और किशोर पर बेवफाई का आरोप लगा रही है। महिला की उम्र 40 साल है। उसका सबसे बड़ा बेटा ही 19 साल का हो चुका है। इसके बाद भी वह 14 साल के किशोर को अपना पति बताते हुए उसी के साथ रहना चाहती है। महिला की जिद और बातें सुनकर पुलिस भी हैरान व परेशान है। पुलिस ने किशोर के परिजनों को संपर्क कर महिला से बात कराई। कई घंटे चली बातचीत के बाद किसी तरह मामला आपसी समझौते के बाद समाप्त हुआ। इसके बाद महिला अपने घर रवाना हुई है। गोरखपुर की रहने वाली 40 वर्षीय महिला इंस्टाग्राम पर रील बनाकर पोस्ट करती थी। उसकी रील को अक्सर 14 वर्षीय एक किशोर लाइक और शेयर करता था। अपनी रील को लाइक व शेयर करने वाले किशोर से उसकी चौटिंग होने लगी। धीरे–धीरे दोनों ने एक दूसरे का नंबर लिया और बातचीत भी होने लगी। बातचीत के दौरान ही वह किशोर के बेहद नजदीक आ गई। मामला इतना बढ़ गया कि महिला को 14 साल के किशोर से प्यार हो गया। उसे यह भी नहीं ख्याल रहा कि उसके चार बच्चे हैं। सबसे बड़ा बेटा तो किशोर से भी पांच साल बड़ा 19 साल का है। इसके बाद भी वह किशोर से मिलने के लिए तड़पने लगी। जिस दौरान दोनों की बातचीत शुरू हुई किशोर अपने पिता के साथ चेन्नई में रह रहा था। महिला के अनुसार फरवरी में किशोर चेन्नई से गोरखपुर आया। इसी दौरान महिला की किशोर से मुलाकातें हुईं। महिला के अनुसार इन्हीं मुलाकातों के दौरान ही किशोर ने उससे शादी भी कर ली। इसके बाद किशोर अपने घर चला गया और महिला से बातचीत कम करने लगा। इससे महिला परेशान रहने लगी। किशोर ने उसका फोन उठाना तो बंद किया ही, इंस्टग्राम की रील पर लाइक और शेयर करना भी बंद कर दिया।

किशोर के व्यवहार से आहत होकर महिला थाने पहुंच गई। किशोर पर बेवफाई का आरोप लगाते हुए अपनी पूरी कहानी सुनाई तो पुलिस वाले भी हैरान रह गए। पुलिस वालों ने पहले महिला को समझाने की कोशिश की। लोकलाज और समाज का वास्ता देकर इस मामले को खत्म करने की बात कही। लेकिन महिला किशोर के साथ ही रहने और उसे बुलाने की मांग पर अड़ गई। थाने में घंटों महिला का हाई वोल्टेज ड्रामा चलता रहा। थक हारकर पुलिस ने किशोर का नंबर लिया और उसके परिजनों से बात की। थानाध्यक्ष अभिषेक सिंह का कहना है कि महिला जिस किशोर पर आरोप लगा रही थी उसे और उसकी मां को बुलाया गया था। बातचीत के बाद दोनों ने आपसी समझौता कर लिया और अपने–अपने घर चले गए। दोनों ने आपसी सहमति से एक–दूसरे से फिलहाल संपर्क नहीं करने की बात कही है।

बेसिक शिक्षा विभाग में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी का खुलासा, दो गिरफ्तार

संवाददाता–बलरामपुर। देहात कोतवाली की पुलिस ने सोमवार को बेसिक शिक्षा विभाग में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने का खुलासा कर दिया है। रुपये मांगने वाले गिरोह के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। स्पेशल एजुकेटर्स भर्ती में चयन सुनिश्चित कराने के नाम पर अभ्यर्थियों से रुपये मांगे जा रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन भी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार 23 मई 2026 को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय से डाक के माध्यम से थाना कोतवाली देहात में एक प्रार्थना पत्र प्राप्त हुआ था। शिकायतकर्ता कामता प्रसाद निवासी मोहल्ला पहलवारा ने भेजे गए पत्र में आरोप लगाया कि स्पेशल एजुकेटर्स के रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया में चयन सुनिश्चित कराने व नियुक्ति पत्र जारी कराने के नाम पर उनसे फोन के जरिए रुपये मांगे जा रहे थे। मामले को गंभीरता से लेते हुए देहात कोतवाली में उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) अधिनियम की धाराओं में केस दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पाण्डेय के पर्यवेक्षण एवं प्रभारी निरीक्षक गिरिजेश तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने जांच शुरू की। जांच के दौरान रविवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में जितेन्द्र यादव निवासी ग्राम रजडेरवा थाना पचपेड़वा बलरामपुर एवं आयुष सिंह निवासी लखनऊ शामिल हैं। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि दोनों लखनऊ स्थित एक एक्स–सर्विसमैन संस्था में कार्यरत हैं। संस्था को जेम पोर्टल के जरिए स्पेशल एजुकेटर्स भर्ती प्रक्रिया में अभ्यर्थियों के सत्यापन का कार्य मिला था। सत्यापन प्रक्रिया की आड़ में चयनित अभ्यर्थियों को फोन कर चयन सुनिश्चित कराने के लिए रुपये की मांग की जा रही थी। पुलिस के मुताबिक अमित गुप्ता और जान्हवी नामक अभ्यर्थियों से ऑनलाइन माध्यम से 20–20 हजार रुपये लिए गए थे। कार्रवाई करने वाली टीम में उपनिरीक्षक श्रवण चन्द्र सिंह, उपनिरीक्षक राहुल कुमार भारती तथा कांस्टेबल राज चौधरी शामिल रहे।

बूथ स्तर तक संगठित, सक्रिय और प्रभावी संगठन के निर्माण में जुट जाएं –पंकज चौधरी

संवाददाता–महराजगंज। आईटीएम चेहरी में भाजपा के दो दिवसीय पं. दीन दयाल उपाध्याय प्रशिक्षण अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश अध्यक्ष–केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने किया। गैलरी में केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों की लगाई गई चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कहा कि बूथ स्तर तक और संगठित, सक्रिय व प्रभावी संगठन के निर्माण में सभी कार्यकर्ता जुट जाएं। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रशिक्षण तराशने की प्रक्रिया है। जो सीखता है, वह बढ़ता है और जो सीखना बंद कर देता है वो बढ़ना भी बंद कर देता है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति निर्माण से ही संगठन का निर्माण होता है। उन्होंने पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान को संगठन सशक्तिकरण का ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि यह अभियान कार्यकर्ताओं को विचार, व्यवहार और नेतृत्व तीनों स्तरों पर समृद्ध करेगा। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय और एकात्म मानववाद का दर्शन ही भाजपा की कार्यसंस्कृति की आधारशिला है। प्रशिक्षण केवल जानकारी देने का माध्यम नहीं, बल्कि कार्यकर्ता के व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया है। इससे संगठन की कार्यपद्धति में एकरूपता आएगी और सेवा, समर्पण तथा राष्ट्रहित की भावना और अधिक प्रखर होगी. प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि आज वैश्विक संकट के समय विपक्ष राजनीति कर रहा है। डीजल–पेट्रोल और गैस के लिए पैनिक फैलाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच थी कि जब तक समाज के अंतिम व्यक्ति का विकास नहीं होगा, राष्ट्र विकसित नहीं हो सकता। उज्जवल योजना, स्वच्छता, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान कार्ड योजना जैसी तमाम योजनाओं को शुरू कर आम आदमी को मुख्य धारा से जोड़ने का कार्य किया। डबल इंजन की सरकार में विकास नई ऊंचाई तय कर रहा है। एक्सप्रेस वे प्रदेश बन रहा है और उत्तर प्रदेश में माफिया राज खत्म हो गया। कहा कि सीएम योगी के नेतृत्व में निवेशकों ने कदम बढ़ाया है।

कांग्रेस ने महोबा कांड के विरोध में प्रदर्शन किया

संवाददाता–देवरिया। जिला कांग्रेस कमेटी ने महोबा में नीट की तैयारी कर रही दलित छात्रा के अपहरण और सामूहिक दुष्कर्म के विरोध में सोमवार को कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपकर दोषियों की गिरफ्तारी और पीड़िता को न्याय दिलाने की मांग की। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विजय शेखर मल्ल के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता टाउन हॉल पर एकत्र हुए। इसके बाद वे कांग्रेस कार्यालय से जुलूस के रूप में सुभाष चौक और सिविल लाइंस मार्ग होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और महिला सुरक्षा तथा कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए।

कलेक्ट्रेट पहुंचने पर कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने उप जिलाधिकारी सदर प्रवीण कुमार को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में महोबा की घटना को मानवता को शर्मसार करने वाला बताया गया। इसमें आरोप लगाया गया कि छात्रा के अपहरण के बाद 16 दिनों तक उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म और अमानवीय व्यवहार किया गया, जिससे प्रदेश की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। जिलाध्यक्ष विजय शेखर मल्ल 'रोशन' ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा खतरे में है, और सरकार कानून व्यवस्था संभालने में विफल रही है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी पीड़िता को न्याय दिलाने और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग को लेकर लगातार संघर्ष करेगी। ज्ञापन में मामले की निष्पक्ष एवं त्वरित जांच, दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी तथा पीड़िता और उसके परिवार को सुरक्षा एवं आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की गई है।

इस प्रदर्शन में पूर्व जिलाध्यक्ष सुयश मणि त्रिपाठी, बिस्मिल्लाह लारी, धर्मेंद्र सिंह, रामजी गिरी, भरत मणि त्रिपाठी, नागेंद्र शुक्ला, आनंददेव गिरी, जुलेखा खातून, संजीव कुमार मिश्रा, चंदन वर्मा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

98 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब बरामद

संवाददाता–देवरिया। जिले की श्रीरामपुर पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एक स्कॉर्पियो वाहन से 98 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद की और इसमें शामिल दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वाहन को जब्त कर आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। यह कार्रवाई सोमवार को संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग अभियान के दौरान की गई। पुलिस टीम ने बंकुल मोड़ के पास घेराबंदी कर वाहनों की जांच शुरू की। इसी दौरान एक स्कॉर्पियो वाहन को रोकने का प्रयास किया गया। तस्करों ने गाड़ी लेकर भागने की कोशिश की, लेकिन कुछ दूरी पर ही पुलिस ने घेराबंदी कर वाहन को कब्जे में ले लिया। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें 98 पेटी अंग्रेजी शराब मिली, जिसे बिहार ले जाया जा रहा था। पुलिस ने इस मामले में बिहार के सिवान जिले के रहने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान अनवर अली पुत्र अकबर हुसैन निवासी बरहोगा जद्दू, थाना जामो बाजार, जनपद सिवान, बिहार और धनु कुमार पुत्र सुदर्शन प्रसाद निवासी तितिरा, थाना मैरवा, जनपद सिवान, बिहार के रूप में हुई है।

बरसात से पहले पूरा हो सड़क निर्माण, लापरवाही पर होगी कार्रवाई –डीएम

संवाददाता–देवरिया। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सड़क निर्माण परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की। उन्होंने अधिकारियों और कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिए कि बरसात से पहले सभी प्रमुख सड़क परियोजनाओं में अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित की जाए। डीएम ने चेतावनी दी कि लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों और एजेंसियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक के दौरान लोक निर्माण विभाग, एनएचएआई, भूमि अधिग्रहण और अन्य संबंधित विभागों की परियोजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी परियोजनाओं को गुणवत्तापूर्ण तरीके से और निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा करने पर जोर दिया। राम–जानकी मार्ग परियोजना की समीक्षा में अधिकारियों ने बताया कि लगभग 598 करोड़ रुपये की लागत वाली इस सड़क का निर्माण कार्य 4 नवंबर 2024 से जारी है। इसे मई 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। परियोजना में अब तक करीब 53.60 प्रतिशत भौतिक प्रगति दर्ज की गई है। डीएम ने निर्माण कार्य की गति को और बढ़ाने के निर्देश दिए।

नवलपुर–सिकंदरपुर मार्ग परियोजना के संबंध में बताया गया कि लगभग 613 करोड़ रुपये की लागत से बन रही 44.995 किलोमीटर लंबी इस सड़क का करीब 16 किलोमीटर हिस्सा देवरिया जिले में आता है। इस परियोजना में अब तक लगभग 30 प्रतिशत कार्य पूरा हुआ है। जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था को निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। सलेमपुर बाईपास परियोजना, जिसकी अनुमानित लागत लगभग 394 करोड़ रुपये है, नवंबर 2025 से निर्माणाधीन है। इस परियोजना में अब तक लगभग 32 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। डीएम ने अधिकारियों को इस कार्य को भी समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया।

देवरिया बाईपास परियोजना की समीक्षा के दौरान कार्य प्रगति धीमी पाए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की। लगभग 613 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना का कार्य अगस्त 2025 से शुरू हुआ है और इसे जुलाई 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है। तमकुहीराज–मझौली राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना की समीक्षा में बताया गया कि करीब 192.27 करोड़ रुपये की लागत से 24.745 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण किया जा रहा है। जनवरी 2025 से शुरू हुई इस परियोजना में अब तक लगभग 82 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है।

किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म के आरोपितों पर कसा शिकंजा, तीनों दबोचे गए

संवाददाता–महराजगंज। पनियरा क्षेत्र में एक 16 वर्षीया किशोरी का अश्लील वीडियो बनाकर सामूहिक दुष्कर्म करने के मामले में पुलिस ने शिकंजा कस दिया है। मामले के सामने आने के 24 घंटे के अंदर मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने तीनों आरोपितों को दबोच लिया। तीन मोबाइल फोन भी पुलिस ने बरामद कर लिया है। इस मामले में पीड़िता की मां की तहरीर पर पुलिस ने बलात्कार एवं पाक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कर छानबीन शुरू की थी। पुलिस की छानबीन में जानकारी मिली कि किशोरी का मनीष निवासी चेहरी के साथ चार वर्षों से संबंध था। बीते 18 मई की रात 11 बजे वह किशोरी को मिलने के लिए बुलाया। बागीचे में मुलाकात के दौरान ही अन्य दो युवकों विकास व राजन ने उन्हें देख लिया। इन दोनों ने किशोरी को घर पर बात बताने की धमकी देकर डराया और बारी–बारी दुष्कर्म किया। इस दौरान किशोरी के प्रेमी ने भी कोई विरोध नहीं किया। मनीष ने पूर्व में पीड़िता के साथ वीडियो कालिंग के दौरान चोरी–छिपे स्क्रीन रिकार्डिंग कर एक अश्लील वीडियो बनाया था, जिसे राजन व विकास ने अपने मोबाइल में ले लिया और पीड़िता को वीडियो वायरल करने की धमकी देकर चुप रहने को मजबूर किया। पुलिस के खुलासे के अनुसार घटना के बाद सहमी पीड़िता अपने मामा के घर चली गई थी। बाद में जब घटना की भनक परिजनों को लगी तो पीड़िता की माता की लिखित तहरीर के आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर तीनों को गिरफ्तार कर लिया। तीनों को कार्रवाई के बाद न्यायालय चालान कर दिया गया। गिरफ्तार करने वाली टीम में एसओ संजय कुमार सिंह, एसआई संदीप यादव, प्रणव कुमार ओझा, शशिकांत यादव, उदयभान यादव, अमित कुमार राय, हेड कांस्टेबिल रणजीत सिंह, हिमांशु श्रीवास्तव शामिल रहे।

राजा राम गोपाल लॉ.कालेज, ड्योढी सोहावल अयोध्या

(एल.एल.बी. पंचवर्षीय) में आवश्यकता है

स्नातक स्तर पर विधि संकाय के अर्न्तगत (एल.एल.बी. पंचवर्षीय) पाठ्यक्रम में एल.एल.बी. प्रवक्ता 4 पद तथा (एल.एल.बी. पंचवर्षीय) पाठ्यक्रम के अर्न्तगत (अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीति शास्त्र, मनोविज्ञान एवं समाजशास्त्र) विषयों में:– 01– 01 प्रवक्ताओं की आवश्यकता है। **योग्यता एवं वेतनमान:–** यूजीसी एवं राज्य विश्वविद्यालय के मानकानुसार। इच्छुक अभ्यर्थी 14 कार्य दिवस के अन्दर अपने समस्त अंक पत्रों एवं प्रमाण–पत्रों की दो स्व हस्ताक्षरित प्रतियों एवं दो पासपोर्ट साइज फोटो एवं दो स्वपता लिखे लिफाफे के साथ कालेज के उपरोक्त पते पर आवेदन करें।

प्रबन्धक, राम गोपाल सिंह – मो0 8840063283, 8808750268

मामा–भांजा की गैंग पकड़ी गईः सरकारी स्कूलों को टारगेट कर उड़ा देते सिलेंडर और टीवी, 9 गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। मामा–भांजा की गैंग का पीपीगंज पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पीपीगंज थाने की पुलिस ने 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर सरकारी स्कूलों व भवनों में चोरी करने वाली गैंग का पर्दाफाश किया है। इस गैंग को मामा–भांजा मिलकर चलाते थे। यह गैंग रेकी करके रात के समय सरकारी स्कूलों को निशाना बनाती थी। वहां से सिलेंडर, टीवी और कीमती सामान उड़ाकर सस्ते दाम में बेच देते थे। पकड़े गए 09 आरोपियों में 5 चोरी का सामान खरीदने के आरोप में दबोचे गए हैं। पूछताछ में 6 स्कूलों में चोरी करने जुर्म आरोपियों ने स्वीकार किया है। मामा और भांजा ने बताया कि वर्तमान समय में सिलेंडर नहीं मिल रहा है। इसलिए चोरी के सिलेंडर से घर में खाना बनाते थे। गैस खत्म होने पर सिलेंडर बेच देते थे।

गैंग में कैंपियरगंज कुआरे गांव का रमेश उर्फ सूईत, पीपीगंज जंगल कौड़िया का अनिल, प्रवीण यादव और सन्नी गौड़ सक्रिय सदस्य हैं। इसमे प्रवीण यादव रमेश उर्फ सूईत का मामा है। दोनों ने अनिल और सन्नी गौड़ को भी गैंग में शामिल किया था। सन्नी की बाइक से ही चोरी की घटनाएं अंजाम दी जाती थी। इनके अलावा चिलुआताल के चिउटी जाम निवासी गंगा सागर मद्देशिया, गोपीचंद मद्देशिया, पीपीगंज के बुढली टोला बरियारी के बाल मुकुंद, यशपाल उर्फ मुन्ना यादव और शेषमणि निषाद को पुलिस ने चोरी का सामान खरीदने के आरोप में गिरफ्तार किया है। प्रवीण पर 4 और रमेश पर 5 मुकदमे पहले से हैं। छह माह से चोरी की घटनाएं अंजाम दे रहे थे। एसपी उत्तरी ज्ञानेंद्र कुमार और सीओ कैंपियरगंज अनुराग सिंह ने सोमवार को व्हाइट हाउस में प्रेस कांफ्रेंस करते हुए बताया कि आए दिन सरकारी स्कूलों में चोरी की शिकायतें सामने आ रही थी। इस पर अंकुश लगाने और गैंग का पर्दाफाश करने के लिए कई टीमे लगाई गई थीं।

मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ लोग चोरी का सामान बेचने वाले हैं। इस जानकारी पर पुलिस मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर 4 आरोपियों को पकड़ लिया। उनके पास से चोरी का सामान भी मिला। कड़ाई से पूछताछ के बाद मामा–भांजा प्रवीण यादव और रमेश ने बताया कि सरकारी स्कूलों में चोरी करना आसान लगता था। यहां पर सीसीटीवी कैमरा भी नहीं होता है, दूसरी आबादी वाली जगह से दूर सरकारी प्राथमिक विद्यालय बनाए गए हैं। चोरी से पहले दो दिन स्कूल जाकर रेकी की जाती थी, कि वहां कीमती सामान कितना है। इसके बाद रात के समय स्कूल गेट का ताला तोड़कर कीमती सामान बोरे में भरकर पार कर देते थे। उन्होंने बताया कि जहां भी जाते थे, वहां से सिलेंडर जरूर चोरी करते थे। सिलेंडर में जब तक गैस रहती थी, उसका घर पर इस्तेमाल करते थे। इसके बाद खाली सिलेंडर 1500–2000 रुपये तक में बेच देते थे। वहीं स्कूलों में लगी एलईडी टीवी 3 से 4 हजार में बेचते थे। इनके पास से 5 गैस सिलेंडर, 4 एलईडी टीवी, 1 मॉनिटर, 1 यूपीएस, 1 कीबोर्ड व माउस, 1 प्रिंटर और एक मोबाइल बरामद किया है। इनकी कुल कीमत 3 लाख 10 हजार रुपये बताई जा रही है। पीपीगंज के प्राथमिम विद्यालयताललिखिया में 8 अप्रैल को चोरी की घटना हुई थी। प्रधानाचार्य ने तहरीर देकर बाताया था कि उनके विद्यालय से गैस, चुल्हा, राशन का सामान व विद्यालय निर्माण में उपयोग हो रहे लोहे के एंगल आदि चोरी कर लिया गया है। इससे पहले भी चोरी की घटना हो चुकी है। कैंपियरगंज के पंचायत भवन बैरघट्टा में आरोपियों ने दरवाजे की कुंडी काटकर कम्प्यूटर सेट व प्रिंटर चोरी किया था। पुलिस ने आरोपियों के पास से सहजनवा और कैंपियरगंज में हुई चोरी का सामान बरामद किया है।

युवक की गला रेतकर हत्या, आमी नदी में बोरे में उतराती मिली लाश

जिले मे एक युवक की गला रेतकर हत्या कर दी गई है। सोमवार की सुबह युवक का बोरे में बंद शव आमी नदी में उतराता मिला। युवक का शव मिलने की सूचना से इलाके में हड़कंप मच गया। आशंका जताई जा रही है कि युवक की कहीं और गला काटकर हत्या करने के बाद शव को ठिकाने लगाने के उद्देश्य से बोरे में भरकर नदी में फेंक दिया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

घटना, गोरखपुर के गीडा थाना क्षेत्र के अडिलापार गांव की है। यहां सेमरहवां बाबा स्थान के पास सोमवार की सुबह आमी नदी में बोरे में बंद एक युवक का शव उतराता मिलने से सनसनी फैल गई। ग्रामीणों ने आमी नदी पुल के नीचे बोरे में शव उतराता देखा तो मौके पर भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और शव को बाहर निकलवाया। बोरे से शव निकालने पर युवक की उम्र करीब 40 वर्ष आंकी गई। उसके दोनों हाथ बंधे हुए थे और गला कटा था। शरीर पर कई जगह चोट के निशान भी मिले हैं। युवक ने काले रंग की जींस और भूरे रंग की हाफ टी–शर्ट पहन रखी थी।

पुलिस को शव की जेब से कोई पहचान संबंधी दस्तावेज नहीं मिला, जिससे उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी। मौके से एक पुराना काला पिठ्ठू बैग भी बरामद हुआ है। बैग में पैंट–शर्ट, ब्लाउज और बच्चों के कपड़े मिले हैं। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि बैग मृतक का है या किसी अन्य व्यक्ति का। प्रारंभिक जांच में घटना एक दिन पहले की प्रतीत हो रही है। पुलिस इस बात की भी पड़ताल कर रही है कि शव किस रास्ते से लाया गया। घटनास्थल गोरखपुर–बस्ती फोरलेन और खजनी थाना क्षेत्र के कटघर मार्ग से जुड़ा हुआ है।

इस बारे में पूछे जाने पर प्रभारी निरीक्षक अश्वनी पांडेय ने बताया कि शव की पहचान नहीं हो सकी है। शव को मोर्चरी में भेजकर सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

बिहार से 10 लाख के बदले लाए थे 40 लाख के नकली नोट, पांच गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर पुलिस ने पादरी बाजार क्षेत्र के सरस्वतीपुरम कॉलोनी में नकली नोट छापने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह पहले बिहार से 10 लाख रुपये में 40 लाख का काले रंग का नकली नोट लेकर आया था। बिहार के शातिरों ने उन्हें बताया था कि एक केमिकल डालने पर ये नोट असली जैसे हो जाएंगे, लेकिन उन्होंने केमिकल नहीं दिया। इस पर ये लोग यहीं नोट छापने लगे। 500 रुपये के एक असली नोट के बदले ये चार नकली नोट दिया करते थे। उनके पास से लाखों के नकली नोट और उसे छापने की सामग्री और उपकरण बरामद की गई है। पकड़े गए शातिरों में चार गोरखपुर और एक कुशीनगर का रहने वाला है। एसपी सिटी निमिष पाटील ने सोमवार को प्रेस कांफ्रेंस में पकड़े गए गिरोह के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गुलरिहा थाने की पुलिस संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। तभी मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि शाहपुर थाना क्षेत्र में पादरी बाजार के सरस्वतीपुरम कॉलोनी में एक शटरनुमा दुकान में कुछ व्यक्ति नकली नोट छाप रहे हैं। गुलरिहा पुलिस, एसओजी टीम व सर्विलांस सेल फोर्स के साथ तत्काल मौके पर पहुंची। वहां घेराबंदी करते हुए नकली नोट बनाने में संलिप्त व्यक्तियों को पकड़ लिया गया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान शाहपुर के पादरीबाजार न्यू क्रिश्चियन कॉलोनी निवासी करन सिंह, विकास नगर निवासी मोहित, पादरीबाजार निवासी विशाल शर्मा, आशीष शर्मा व भलुई, थाना अहिरौली, कुशीनगर निवासी आकाश सिंह के रूप में हुई। इस मामले में बिहार के भी दो लोगों का नाम सामने आया है। पुलिस उनके बारे में पता लगा रही है। उन्हें भी इस केस में आरोपी बनाया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी पहले 10 लाख रुपये एकत्र कर बिहार गए थे और वहां से 40 लाख रुपये के काले रंग के नकली नोट लेकर आए। बिहार के युवकों ने उन्हें बताया था कि इस नोट पर केमिकल डालने पर वह असली नोट जैसा हो जाएगा, लेकिन उन्होंने केमिकल नहीं दिया। इसके बाद इन लोगों ने यहां पर ही नोट छापने का काम शुरू कर दिया। आरोपियों के पास से पुलिस ने 500 रुपये के 10 नकली नोट, 100 रुपये का एक नकली नोट, चार मोबाइल व 1 एप्पल मोबाइल, मानीटर, सीपीयू, कीबोर्ड, माउस, 2 प्रिन्टर, 4 इंक का डब्बा, एफोर साइज का पेपर, 49 विभिन्न प्रकार के प्रिन्टेड ए4 साइज के नकली नोट फर्मा, 14 दोनों साइड प्रिन्टेड नकली नोट, 02 नोट में लगने वाला तार, गांधीजी की फोटो वाले 04 फर्मा, 39 गड्डी काले रंग के 500 रुपये के आकार के प्रिन्टेड/सादे कागज बरामद हुए हैं।

2 साल बाद दुबई से लौटा पतिः पत्नी बोली–तुम्हारे साथ नहीं रहूंगी, बरेली के युवक से हुआ प्यार

संवाददाता–गोरखपुर। एक महिला ने अपने पति को धोखा दे दिया। महिला का पति दुबई कमाने चला गया। पति के पीछे पत्नी बरेली के युवक की मोहब्बत में पड़ गई। दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ गईं। पति दुबई दुबई से लौटे जब वापस लौटा तो दोनों को रंगे हाथ पकड़ लिया। अब पत्नी और बरेली निवासी युवक पर धमकी दे रहा है। इस मामले में युवक ने कैंट थाने में केस दर्ज कराया है। युवक का कहना है कि विदेश में नौकरी के दौरान उसकी पत्नी की दूसरे युवक से नजदीकियां बढ़ गईं। विरोध करने पर उसे जान से मारने की धमकी दी जा रही है। डिभिया निवासी युवक ने पुलिस को बताया कि 16 वर्ष पहले उसका निकाह हुआ था और उसका एक बेटा भी है। वर्ष 2024 में परिवार का खर्च और बेटे की पढ़ाई बेहतर ढंग से चलाने के लिए वह रोजगार के सिलसिले में दुबई चला गया था। वहां से कमाई कर वह नियमित रूप से पत्नी के खाते में रुपये भेजता रहा, ताकि घर और माता–पिता की देखभाल होती रहे। पीड़ित के मुताबिक, करीब दो माह पहले घर लौटने पर पत्नी के व्यवहार में बदलाव नजर आया। वह देर रात तक मोबाइल पर बात और

वीडियो कॉल करती रहती थी। पूछताछ करने पर पत्नी ने बरेली निवासी अनूप नामक युवक के साथ रहने की बात कही। आरोप है कि इसके बाद अलग–अलग नंबरों से उसे धमकी भरे फोन आने लगे। फोन करने वालों ने पत्नी को लेकर विरोधा करने पर हत्या की चेतावनी दी। कैंट थाना प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर महिला और बरेली निवासी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। वहीं दूसरी ओर रामपुर के गंज थाने में तैनात एक सिपाही ने खुद को अविवाहित बताकर युवती से दूसरा निकाह कर उसका शीरीरिक शोपण करने का मामला सामने आया है। शामली निवासी युवती ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर कहा था कि उसकी करीब दो वर्ष पहले सोशल मिडिया के माध्यम से रामपुर के गंज थाने में तैनात सिपाही जुवैर त्यागी से दोस्ती हुई थी। उसने खुद को अविवाहित बताया था और अपनी आईडी जिस पर उसकी जन्मतिथि 15 जुलाई1992 अंकित कर रखी थी। दोनों के बीच बातें शुरू हो गईं। सिपाही ने शादी करने का भरोसा दिया, जिसके बाद वह मिलने शामली आने लगा था। आरोप लगाया कि शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और प्राईवेट फोटो भी खींच लिए। बाद में आरोपी उसे ब्लैकमेल करने लगा और मेरे साथ अलग–अलग तारीखों पर शारीरिक संबंध बनाने लगा। इस बीच वह गर्भवती हो गई, मगर बाद में आरोपी सिपाही ने शादी करने से इंकार कर दिया। युवती के विरोध करने पर उसने निकाह किया, मगर साथ रखने से इंकार करता रहा। युवती को बाद में पता चला कि सिपाही पहले से शादीशुदा है तो उसके होश उड़ गए। पीड़िता परेशान होकर एसपी शामली के पास पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। जिस पर शामली महिला थाने में आरोपी पति जुबैर त्यागी, पिता कारी अजमत इलाही, पहली पत्नी रेशमा, आकील प्रधान, शमीम प्रधान,दानिश,अकरम और दो अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

जमानत पर छूटे दुष्कर्म के आरोपित ने फिर किया किशोरी का अपहरण, परिवार में दहशत

संवाददाता–गोरखपुर। दुष्कर्म के मामले में जेल जा चुका आरोपित जमानत पर छूटते ही फिर किशोरी को उठा ले गया। पीड़िता की मां का आरोप है कि आरोपित लगातार परिवार को धमका रहा था और अब बेटी का अपहरण कर लिया है। काफी तलाश के बाद भी किशोरी का पता नहीं चलने पर स्वजन अनहोनी की आशंका जता रहे हैं। चिलुआताल थाना क्षेत्र की रहने वाली किशोरी की मां ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि मानबेला बटोहिया निवासी गौतम ने पहले उनकी बेटी का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म किया था। उस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपित को जेल भेजा था। आरोप है कि जमानत पर छूटने के बाद गौतम आए दिन घर पहुंचकर किशोरी और परिवार के लोगों को गाली देता था। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देता था। पीड़िता की मां के अनुसार 23 मई को आरोपित फिर उनकी बेटी को जबरन अपने साथ ले गया। परिवार ने काफी खोजबीन की, लेकिन किशोरी का कहीं पता नहीं चला। मां ने अनहोनी की आशंका जताई है। चिलुआताल थाना पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि किशोरी की बरामदगी और आरोपित की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

पेट्रोल ने पार की सेंचुरी, डीजल भी 95 के पार, आम जनता परेशान

संवाददाता–गोरखपुर। आम आदमी की जेब पर महंगाई की मार लगातार बढ़ती जा रही है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में एक बार फिर इजाफा होने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। गोरखपुर में पेट्रोल ने अब शतक पार कर लिया है और इसकी कीमत 102.13 रुपये प्रति लीटर पहुंच गई है।

वहीं डीजल भी 95.62 रुपये प्रति लीटर के भाव पर बिक रहा है। बढ़ती कीमतों का असर अब सीधे आम लोगों के बजट और रोजमर्रा की जरूरतों पर दिखाई देने लगा है। मई महीने में यह चौथी बार है जब पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ाए गए हैं। इससे पहले शहर में पेट्रोल 99.53 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.90 रुपये प्रति लीटर मिल रहा था। ताजा बढ़ोतरी के बाद वाहन चालकों में नाराजगी देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि लगातार बढ़ रहे ईंधन के दामों से सफर महंगा होता जा रहा है और इसका असर खाने–पीने से लेकर अन्य जरूरी सामानों की कीमतों पर भी पड़ रहा है। तेल कंपनियों के अधिकारियों के मुताबिक पेट्रोल की कीमत में 2.60 रुपये प्रति लीटर जबकि डीजल में 2.72 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों और टैक्स के असर के चलते ईंधन के दामों में लगातार उतार–चढ़ाव देखने को मिल रहा है। पेट्रोल और डीजल के बढ़े दामों का असर परिवहन व्यवस्था पर भी पड़ सकता है। ट्रांसपोर्टरों का कहना है कि अगर इसी तरह कीमतें बढ़ती रहीं तो किराए में बढ़ोतरी करना मजबूरी बन जाएगा। वहीं आम नागरिकों को अब हर दिन बढ़ती महंगाई के बीच राहत मिलने का इंतजार है।

चिह्नित बच्चों का पुनर्वास कर स्कूलों से जोड़ा जाए –डीएम

संवाददाता–सिद्धार्थनर। बाल श्रम मुक्त अभियान को लेकर जिला टास्क फोर्स की बैठक हुई। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में श्रम विभाग द्वारा आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सर्वेक्षण में चिन्हित बाल श्रमिकों का तत्काल पुनर्वास सुनिश्चित किया जाए और उन्हें विद्यालयों में नामांकित कर मुख्यधारा से जोड़ा जाए।

जिलाधिकारी ने जोर दिया कि बाल श्रम उन्मूलन किसी एक विभाग का कार्य नहीं है, बल्कि इसमें सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से काम करना होगा। उन्होंने शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि जिले में कोई भी बच्चा स्कूल से बाहर न रहे। प्रोबेशन विभाग को बच्चों और उनके परिवारों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में जिलाधिकारी ने बाल श्रम के खिलाफ नियमित अभियान चलाने, प्रभावी कार्रवाई करने और इसकी सतत निगरानी पर बल दिया। उन्होंने स्वयंसेवी संस्था मानव संसाधन एवं महिला विकास संस्थान से भी श्बाल श्रम मुक्त सिद्धार्थनगरश अभियान में सहयोग करने की अपील की। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने संस्था द्वारा तैयार की गई जागरूकता सामग्री, पोस्टर, स्टिकर और सरकारी योजनाओं से संबंधित बुकलेट का विमोचन भी किया। बैठक में सहायक श्रमायुक्त ओम प्रकाश, श्रम प्रवर्तन अधिकारी उज्ज्वल कुमार त्रिपाठी, उपजिलाधिकारी नौगढ़ राहुल सिंह, विवेकानंद मिश्रा, बीएसए शैलेश कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय सिंह, सीडब्ल्यूसी अध्यक्ष अपर्णा श्रीवास्तव, जिला समन्वयक प्रसून शुक्ला, जिला सलाहकार जय प्रकाश, चाइल्डलाइन समन्वयक सुनील उपाध्याय, संरक्षण अधिकारी विवेक मालवीय, एएचटी प्रभारी निरीक्षक रविन्द्र सिंह और निरीक्षक रामा प्रसाद सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

चाय की दुकान में भीषण लगने से लाखों का सामान जलकर राख

संवाददाता–सिद्धार्थनर। मिश्रौलिया थाना क्षेत्र में बेलवा–मिठौवा रोड पर स्थित एक चाय की दुकान में सोमवार को भीषण आग लग गई। बेलवा पेट्रोल पंप के ठीक सामने बाबू राम की दुकान आग की चपेट में आने से इलाके में अफरा–तफरी मच गई।

आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरी दुकान लपटों से घिर गई और उसका छप्पर धू–धू कर जलने लगा। घटना के दौरान आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चाय की दुकान से अचानक धुआं उठना शुरू हुआ और कुछ ही मिनटों में आग ने विकराल रूप ले लिया। दुकान में रखा फर्नीचर, चाय बनाने के उपकरण, गैस सिलेंडर, खाद्य सामग्री, बर्तन और अन्य सभी सामान जलकर पूरी तरह राख हो गए।

स्थानीय लोगों ने तत्काल आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग की तीव्रता के कारण शुरुआत में उस पर काबू पाना मुश्किल हो गया। सूचना मिलने पर मिश्रौलिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर हटाया।

स्थानीय लोगों के सहयोग से आग पर किसी तरह काबू पाया गया, लेकिन तब तक बाबू राम की दुकान पूरी तरह जल चुकी थी। इस हादसे में दुकानदार को भारी आर्थिक नुकसान होने की बात कही जा रही है।

घटना के कारण कुछ समय के लिए बेलवा–मिठौवा मार्ग पर आवाजाही भी प्रभावित रही। आग देखने के लिए सड़क किनारे लोगों की भीड़ जमा हो गई थी, जिसे पुलिस ने हटाकर यातायात सामान्य कराया।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
सिविल पुनरीक्षण सं0–22/2026
अदालत– श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती

आद्या प्रसाद
बनाम
राम अछैबर आदि

1. राम अछैबर मृतक पुत्र रामफेर 1/1 श्रीराम उम्र करीब 66 साल पुत्र राम अछैबर 1/2 श्रीमती उम्र करीब 70 साल पुत्री राम अछैबर साकिन तिलकपुर तप्पा खुरियार परगना नगर पश्चिम तहसील हरैया जिला बस्ती 1/3 किरन पुत्री रामअछैबर साकिन मीरवापुर तप्पा हरदी परगना बस्ती पूरव तहसील हरैया जिला बस्ती 2. भगौती उम्र 78 वर्ष पुत्र रामफेर साकिन तिलकपुर तप्पा खुरियार परगना नगर पश्चिम तहसील हरैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 17–07–2026

अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0
रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 17 महीना 07 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

कटेश्वर नाथ मंदिर में उमड़ा श्रद्धालुओं का आस्था

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। खुनियांव क्षेत्र स्थित कटेश्वर नाथ मंदिर में अधिक मास के दूसरे सोमवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही मंदिर परिसर ष्हर–हर महादेवष और ष्बोल बमष के जयघोष से गूंज उठा। दूर–दराज के गांवों और नगर क्षेत्रों से पहुंचे भक्तों ने भगवान शिव का विधि–विधान से जलाभिषेक किया। अधिक मास के विशेष महत्व के कारण श्रद्धालु सुबह से ही कतारों में लगे थे। भक्तों ने भगवान भोलेनाथ को गंगाजल, दूध, बेलपत्र, भांग, धतूरा और पुष्प अर्पित किए। मंदिर परिसर में महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों की लंबी कतारें देखी गईं, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला बस्ती
वाद सं0–581/83

देवदत्त
बनाम
कामता

3. राममिलन पुत्र विश्वनाथ 4. श्रीमती वासमती पुत्री विश्वनाथ निवासी ग्राम मोहवरी तप्पा मोहवरी परगना महुली पूरव तहसील धनघटा जिला संतकबीर नगर

तारीख पेशी 30–05–2026

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 30 माह 05 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

बालूशासन में 21फीट ऊंची शिव प्रतिमा की आधारशिला रखी गईः पूर्व प्रधान ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच किया पूजा–अर्चना

संवाददाता–संतकबीरनगर। बालूशासन गांव में स्थित शव दाह गृह स्थल पर सोमवार को 21 फीट ऊंची भगवान भोले शंकर की विशाल प्रतिमा की स्थापना के लिए आधारशिला रखी गई। इस धार्मिक पहल में बड़ी संख्या में ग्रामीणों और श्रद्धालुओं ने भाग लिया। पूर्व प्रधान अरुण राय ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन–अर्चन कर प्रतिमा निर्माण कार्य का शुभारंभ किया।

बालूशासन के पूर्व प्रधान अरुण राय ने बताया कि वे अपने पिता स्वर्गीय कृष्ण भगवान राय के सपनों को पूरा करने के लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने बालूशासन क्षेत्र को एक महत्वपूर्ण धार्मिक और पर्यटन स्थल

के रूप में विकसित करने का संकल्प लिया है।यह प्रतिमा गांव स्थित शवदाह गृह के पास स्थापित की जाएगी। राय ने जानकारी दी कि प्रतिमा का निर्माण कार्य जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। इसके साथ ही, शवदाह गृह का भी कायाकल्प किया जाएगा ताकि लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

उन्होंने आमी तट और आमी नदी को पर्यटन से जोड़ने की योजना पर भी प्रकाश डाला। पूर्व प्रधान ने कहा कि यदि आमी नदी में जेटस्की और नाव का संचालन शुरू होता है, तो क्षेत्र में पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।इस पहल की ग्रामीणों ने सराहना की और इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। कार्यक्रम में क्षेत्र के अरूण राय ,अमित राय हरिशंकर राय ,राधेश्याम राय ,अम्बिका राय,सिन्टू राय ,श्री भगवत ,रूतमंगत राय,सत्यदेव राय ,रामकमल ,हनुमान ,वंशी,अजय शुक्ला ,लहरू,शुक्खू रोहित राय,चिन्तामणी राय सहित तमाम ग्रामीण, सुरेंद्र यादव, कोमल यादव और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मारपीट के आरोप में केस दर्ज

संवाददाता–सिद्धार्थनर। डुमरियागंज थाना क्षेत्र में मेही हरदो गांव निवासी सोनू सिंह पुत्र गंगोत्री सिंह ने थानेदार को तहरीर देकर आधा दर्जन लोगों पर गोलबंद होकर मारने पीटने का आरोप लगाया है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा माध्यमिक शिक्षा परिषद उ.प्र. हाई स्कूल वर्ष **2020** अनुक्रमांक **2840755** एवं इण्टर मीडिएट वर्ष **2022** अनुक्रमांक **2227041835** का अंक पत्र, प्रमाण पत्र सह अंक पत्र वास्तव में खो गया है।

(श्याम गुप्ता)
पुत्र श्री राम सुरेश गुप्ता
ग्राम– बनकसही पोस्ट– ओड़वारा
जनपद बस्ती (उ.प्र.)

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com